दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
विश्व पर्यावरण दिवस
सांसें हो रही हैं कम
आओ पेड़ लगाएं हम
● नई दिल्ली। गुरुवार 05 जून-2025 ● वर्ष : 10 अंक : 166 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

विदेशी धरती से लौटकर सांसद अतुल गर्ग

मनन मिश्रा और सस्मित पात्रा ने किये अपने अनुभव साझा

बताया, किस तरह की थीं परिस्थितियां और किस तरह से हमने माहौल को भारत के पक्ष में साधा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने संसदीय प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों की यात्रा पर भेजा था। यूएई, लाइबेरिया और कांगो देश की यात्रा पर जो प्रतिनिधि मंडल गया था उसमें गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग, राज्यसभा सांसद मनन मिश्रा और राज्यसभा सांसद डॉ. सस्मित पात्रा ने बुधवार को आईटीएस सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अपने संस्मरण साझा किये। भारत सरकार की पहल पर ऑपरेशन सिंदूर विषय पर एक संस्मरण वार्ता का आयोजन किया गया था। इस आयोजन का उद्देश्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध भारत की रणनीति और संसद की भूमिका को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना था। आईटीएस सभागार में ये आयोजन तब रखा गया जब गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग तीन देशों की यात्रा के बाद भारत लौटे। इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद तथा बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा, राज्यसभा सांसद सस्मित पात्रा ने भी अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम पूरी तरह से देशभक्ति के माहौल में था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग रहे। अतुल गर्ग ने हाल ही में लाइबेरिया, यूएई, कांगो, सीएरा लियोन आदि देशों की कूटनीतिक यात्रा की थी। उन्होंने वहां के अनुभव साझा किये और ये बताया कि किस तरह से पूरे विश्व में हमारे देश की सकारात्मक छवि है और उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर किस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर सांसदों ने महत्वपूर्ण तरीके से बात रखी। ऑपरेशन सिंदूर भारत की कूटनीतिक और सैन्य क्षमता का प्रतीक है।

गाजियाबाद का सौभाग्य है कि उन्हें अतुल गर्ग जैसा सांसद मिला : मनन मिश्रा

करंट क्राइम। राज्यसभा सांसद और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा ने कहा कि हमने तीन देशों की यात्रा मे भारत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए यह संदेश दिया कि भारत अब सहन करने वाला नहीं है बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही करने वाला देश बन चुका है। हमें वैश्विक मंचों और संसद दोनों में भारत की दृढ़ नीति और सुरक्षा दृष्टिकोण को मजबूती से रखना चाहिए। तीनों मुस्लिम देशों की हमारी यात्रा में यह बात साफतौर पर देखने को मिली कि वहां का नेतृत्व एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है और भारत के साथ खड़ा है। सांसद ने यहां पर अतुल गर्ग के व्यवहार और कार्यशैली की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह गाजियाबाद का सौभाग्य है कि उन्हें अतुल गर्ग जैसा सांसद मिला।

पूर्व मेयर अशु वर्मा ने कहा- शहर के लिये गर्व की बात

करंट क्राइम। पूर्व मेयर अशु वर्मा ने अपने विचार साझा किये। उन्होंने कहा कि आज देश दो धाराओं में बंट चुका है। एक जो आतंकवाद के सहारे सत्ता चलाना चाहते हैं और दूसरी जो आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिये कटिबद्ध है। पूर्व मेयर अशु वर्मा ने कहा कि गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे शहर के लिये, पूरे गाजियाबाद के लिये गर्व की बात है।

ये चेहरे रहे संस्मरण वार्ता कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद

करंट क्राइम। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने संसदीय प्रतिनिधिमंडल को विदेशों में भेजा था। गाजियाबाद के लोकसभा सांसद जिस प्रतिनिधिमंडल में गए थे, यह प्रतिनिधिमंडल जब लौटकर आया तो एक संस्मरण वार्ता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार तथा कवि राज कौशिक ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से शहर विधायक संजीव शर्मा, पिलखुवा नगर पालिका चेयरमैन विभू बंसल, पूर्व मेयर अशु वर्मा, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बलदेवराज शर्मा, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गौस्वामी, वरिष्ठ भाजपा नेता पृथ्वी सिंह कसाना, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, महामंत्री पप्पू पहलवान, गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम, निगम पार्षद राजीव शर्मा, पूर्व डिप्टी मेयर राजेश्वर प्रसाद, पार्षद बिजेंद्र चौहान, पूर्व महानगर अध्यक्ष विजय मोहन, अमरदत्त शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में आईटीएस के निदेशक आरपी चड्ढा द्वारा अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित गिया गया।

हम भले ही विपक्ष से लेकिन देश की सुरक्षा और सम्मान पर हम सब एक: डॉ. सस्मित पात्रा

करंट क्राइम। राज्यसभा सांसद डॉ. सस्मित पात्रा ने कहा कि भले ही हम विपक्ष की राजनीति करते हों, लेकिन जब बात देश की सुरक्षा और सम्मान की हो तो हम सब एक हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क को उजागर करने की ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक शाख और सुरक्षा नीति को मजबूती मिली है। भारत अब अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कहीं अधिक सशक्त और प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है।

विधायक संजीव शर्मा ने कहा- युवाओं में राष्ट्रप्रेम और जागरूकता की भावना प्रबल

करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों की बहादुरी और सरकार की दृढ़ नीतियों के कारण ही आज भारत एक मजबूत राष्ट्र बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से युवाओं में राष्ट्रप्रेम और जागरूकता की भावना भी प्रबल होती है।

पप्पू पहलवान के सफल आयोजन में लहराया भारतीयों ने तिरंगा

करंट क्राइम। संस्मरण वार्ता का आयोजन निवर्तमान महामंत्री पप्पू पहलवान ने किया था। उन्हें इस कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया था। पप्पू पहलवान के संयोजन में जबर्दस्त और सफल कार्यक्रम आयोजित हुआ। हॉल में देशभक्ति का ये आलम था कि सांसदों के बयान पर कई बार तालियां बजीं। कार्यक्रम स्थल के बाहर और अंदर तिरंगा लहराया गया। देशभक्ति का एक पूरा माहौल इस कार्यक्रम में दिखाई दिया। इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं के अलावा विद्यार्थी, शिक्षक, व्यापारी तथा सामाजिक कार्यकताओं ने उल्लेखनीय सहभागिता निभाई।

सांसद अतुल गर्ग ने अपनी यात्रा के अनुभवों को कुछ यूं साझा किया

जब सांसद अतुल गर्ग ने बताया, आधी रात में पहुंचे थे हम और सुबह-सवेरे रखा था देश का पक्ष

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ऑपरेशन सिंदूर के बाद तीन देशों की कूटनीतिक यात्रा से लौटे थे और वो यात्रा के संस्मरण साझा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हम रात को लगभग ढाई-पौने तीन बजे होटल में पहुंचे। सामान हमारा आया नहीं था, लेकिन मैं इस मामले में थोड़ा बेफिक्र हूं और मैं कमरा बंद करके सौ गया। बाकी लोग भी सुबह चार बजे तक सामान का इंतजार करते रहे। हम सबको नौ बजे होटल के लिये निकलना था और इस तरह से लगभग साढ़े तीन घंटे नींद मिली और फिर हमने यूएई में देश का पक्ष रखा।

जब यूएई ने कहा- यह हमला भारत पर नहीं बल्कि यूएई पर है

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ने विदेश की घटित हर घटनाक्रम को लाइव तरीके से बताया। उन्होंने बताया कि जब हम यूएई पहुंचे तो यहां हमें आपसी सामंजस्य मंत्रालय के चीफ से मिलना था। इस मंत्रालय का काम ये है कि यहां जितने भी कबीले हैं उन कबीलों में सामंजस्य स्थापित करना है। लगभग 12 लाख की आबादी वाले इस देश में जब हम पहुंचे तो यहां डेलीगेट्स मिलने के लिये आए थे। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के लोग बुला रखे थे। सबसे आश्चर्य की बात यह थी कि जिस बात को हम लोग कहने की हिम्मत नहीं कर सकते उस बात को उनके लोगों ने माइक पर कहा, मंच पर कहा, टीवी के आगे कहा। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा गैर इस्लामी काम नहीं हो सकता कि निर्दोष लोगों को गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि यह हमला भारत पर नहीं है बल्कि यह हमला हमारे ऊपर है। जो तीसरी बात उन्होंने कहा, उसका तो कोई यकीन नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमारे धर्म का अपहरण करके उसका दुरुपयोग किया है। अतुल गर्ग ने बताया कि उसके बाद हम यूएई के विदेश मंत्री से मिले और वहां पर पहलगाम में मारे गए निर्दोष लोगों के लिये एक मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद वहां यूनिवर्सिटियों में गए और वहां पर भी शोकसंदेश हुआ, मौन रखा गया।

जब अल जजीरा की संवाददाता ने किये सवाल और मिला जवाब

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ने बताया कि अगले दिन भारत का प्रतिनिधिमंडल दुबई पहुंचा। दुबई के अंदर प्रैसवार्ता का आयोजन किया गया था। वहां पर अल जजीरा की संवाददाता एक महिला मौजूद थी। अतुल गर्ग ने आईटीएस सभागार में यह बताने से पहले सभी को बताया कि अल जजीरा चैनल को तो आप जानते होंगे। इसके बाद उन्होंने बताया कि अल जजीरा की महिला संवाददाता ने लगातार बार-बार सख्त सवाल पूछे। उसने कहा कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि पाकिस्तान छोटा देश है और आप उसे दबा रहे हैं। तब हमने जवाब दिया कि मैडम 1971 के अंदर 93 हजार सशस्त्र सैनिकों ने हमारे देश की सेना के आगे सरेंडर किया था। हमारी सेना लाहौर तक गई थी। उसके बाद 50 हजार किमी. से ज्यादा का पाकिस्तान का क्षेत्र हमारे पास था, लेकिन हमने शिमला समझौते का पालन किया और पाकिस्तान से ये वायदा लिया था कि वो कश्मीर का सवाल दुनिया के किसी प्लेटफार्म पर नहीं उठाएगा। जब भी बात होगी आपस में होगी। इसके बाद भी पाकिस्तान ने लगातार कई बार हम पर हमले किये हैं। हमने उनके 93 हजार सैनिकों को छोड़ दिया। 50 किमी. का एरिया छोड़ा, अब आप बताओ की क्या हम पाकिस्तान को दबा रहे हैं। इसी बीच ये सवाल भी उठा कि पाकिस्तान की जनता से आप क्या चाहते हैं। अतुल गर्ग ने कहा कि हमारी तरफ से जवाब आया कि पाकिस्तान की जनता को ये कहना चाहते हैं कि पाकिस्तान जब से आजाद हुआ है उनका एक भी प्रधानमंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है। उल्टे उनका हर प्रधानमंत्री या तो जेल गया है या उसकी हत्या हुई है या फिर उसको फांसी की सजा हुई है। आज भी उनका एक पुराना प्रधानमंत्री जेल में हैं। उनकी प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो को गोली मारी गई थी। उनके प्रधानमंत्री रहे जुल्फीकार भुट्टो को फांसी दी गई थी। ऐसे पाकिस्तान देश से हम और क्या कह सकते हैं कि भैया अगर अपने देश को बचाना है तो वहां की फौज और वहां के नेताओं पर ध्यान दें। सांसद अतुल गर्ग ने यह प्रसंग सुनाने के बाद बताया कि इस जवाब पर अल जजीरा ने भी ताली बजाई और फिर अल जजीरा की संवाददाता ने व्यक्तिगत रूप से मुझसे आकर कहा कि आपने हमारी खोल दी। ये तब कहा जब सब चाय पी रहे थे।

कांगो की धरती पर पूछा गया जब एक सवाल

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग संस्मरण साझा कर रहे थे और वो अपने ही अंदाज में थे। वो वन बाई वन प्रत्येक देश के घटनाक्रम को बता रहे थे और उन्होंने फिर बताया कि जब वो कांगो देश गए तो ये महसूस हुआ कि गरीबी का दिखना शुरू हो गया। लगभग तीन करोड़ की आबादी इस देश की है और यह एक गरीब देश है।उन्होंने बताया कि वहां किसी राजनेता के साथ पुलिस नहीं होती, यहां तक की वहां मंत्रियों के साथ भी पुलिस नहीं होती। वहां के मंत्रालय का हाल बताते हुए उन्होंने कहा कि जैसे हमारी कलक्ट्रेट है, ऐसे वहां के मंत्रालय हैं। वहां हमारी लोगों से मुलाकात हुई, फिर कांगो के प्रधानमंत्री और उपप्रधानमंत्री से मुलाकात हुई। सारी बातें सुनने के बाद उनकी आंखों में दर्द था। उनके चेहरे पढ़ने लायक थे। किसी को भी ये समझ नहीं आ रहा था कि दुनिया के अंदर आज भी ऐसा होता है कि जब नाम और धर्म पूछकर गोली मारी जा सकती है। उनमें से आधे से ज्यादा मुस्लिम थे और सच पूछो तो वो शर्मिंदा थे। उन्होंने दुख प्रकट किया। सांसद अतुल गर्ग ने बताया कि वहां के लोगों ने ये भी पूछा कि अबकी बार निपटा क्यों नहीं दिया। तब उन्होंने बताया कि कांगो में 56 साल के व्यक्ति ने खड़े होकर बताया कि मैं मुसलमान हूं और मैं कई सालों से यहां काम कर रहा हूं, मगर मैंने आज तक अपना पासपोर्ट हिंदुस्तानी रखा है, उसे बदला नहीं है। उस व्यक्ति ने कहा कि पाकिस्तान की हरकतों पर शर्मिंदा होना पड़ता है।

जब सांसद अतुल गर्ग ने कहा- मेरे जैसे आदमी का चयन भी सरकार ने किया

करंट क्राइम। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने मंच संभाला और यहां उन्होंने संस्मरण से पहले अपने चुने जाने की बात उठाई। उन्होंने कहा कि मेरे जैसे आदमी का चयन वास्तव में एक बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि अंदर की बात ये है कि मैं जिस लोकसभा से सांसद हूं और जिस विधानसभा में ये कार्यक्रम हो रहा है, वह भारत की सबसे बड़ी विधानसभा है। अब मैं जैसा भी हूं मुझे इन लोगों ने चुना है और मैं 30 लाख लोगों का प्रतिनिधि हूं। मैं कैसा हूं मुझे आपके सामने स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं है। क्योंकि आपको मेरे बारे में पहले से पता है। जिनको नहीं पता था उनको 15 दिन में पता चल गया, ये कोई छिपी हुई बात तो है नहीं। सारी बातें अखबार में आती रहीं। टीवी चैनल पर आती रहीं। मेरे ख्याल से हमें उन बातों का जिक्र करना चाहिए जो बातें आसानी से सबके सामने नहीं आ रही। एक कल्पना यह है कि हम लोग सरकारी टूर पर गए और हमने बहुत सुख सुविधाओं से भरे वातावरण में काम किया।

जब अतुल गर्ग ने कहा- फायर को सीज किया है, लड़ाई अभी जारी है

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग संस्मरण बता रहे थे और उन्होंने कहा कि वहां पर लोगों ने हमसे पूछा कि आपने युद्ध क्यों बंद कर दिया। मैंने कहा- भाईसाहब ह्यवार इज ऑनह्ल। हमने केवल फायर को सीज किया है, लड़ाई अभी जारी है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किया है कि जो संधि है वो स्थगित रहेगी। पानी का फैसला हम करेंगे। हम उस देश के वासी हैं जहां एक शहादत हो जाए तो पूरा देश शोक व्यक्त करता है। हम शत्रु का भी इतना सम्मान करते हैं कि जब कारगिल में पाकिस्तान सैनिक मारे गए थे तो हमने ही उनकी लाशों को भी दफनाया। हमने खून बहाने से अच्छा ये समझा कि हम पाकिस्तान को कूटनीतिक तरीके से हराएंगे। फिर दोहरा रहे हैं कि ह्यवार इज ऑनह्ल। अगर, उन्होंने दोबारा हमला किया तो ईंट का जवाब पत्थर से देंगे, ये हमारा वायदा है।

जब अतुल गर्ग का छाया अंदाज और हॉल में लगा ठहाका

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग माइक संभालें और बातों-बातों वो अगर पूरे हॉल को ना हंसा दें तो उनका भाषण अधूरा रहता है। जब उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की बात बता दी तो फिर वो अपने अंदाज में आए। उन्होंने सबसे पहले बताया कि मेरा वजन 95 किलो है और फिर वो ये कहना नहीं भूले कि आप लोग जरूर हंसिए। उसके बाद उन्होंने कहा कि कांगो में गरीबी है वहां तीन मंजिला इमारत में मैं सीढ़ियों से चढ़कर ऊपर गया। इन परिस्थितियों में रोज सुबह चार बजे उठकर किसी दूसरे देश की ओर जाते थे। रात को नौ बजे लौटकर आते थे और हिंदुस्तानी भोजन के नाम पर जैसा भोजन मिलता था, उसकी एक झलक बताई। उन्होंने कहा कि हमारे सांसद मनन मिश्रा कट्टर ब्राह्मण हैं और जब भी वहां भोजन आए तो ये सबसे पहले पूछते थे कि इसमें नॉनवेज तो नहीं है। हम इन्हें बताते थे कि चिंता मत करो ये नॉनवेज नहीं है। लेकिन हमने इन्हें ये नहीं बताया कि अंदर किचन में कल्छी तो एक ही है। अब उसी से नॉनवेज, उसी से वेज। इस बात पर जमकर ठहाका लगा।

आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत

बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया

बेंगलुरु। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को ये जानकारी दी। एक लाख से भी ज्यादा फैंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाने के लिए स्टेडियम के बाहर जमा हुए थे। आरसीबी टीम का स्वागत करने और 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी की जीत का जश्न मनाने के लिए युवा, महिलाएं, पुरुष यहां तक की बुजुर्ग भी सड़कों के किनारे खड़े थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बीबीसी हिंदी को बताया, चिन्नास्वामी स्टेडियम के गेट पर भगदड़ मच गई. जब यह हादसा हुआ, उस समय स्टेडियम का गेट नहीं खुला था और बड़ी संख्या में लोग एक छोटे से गेट को धक्का देकर तोड़ने की कोशिश कर रहे थे कि इसी दौरान भगदड़ मच गई। नाम न बताने की शर्त पर एक अन्य पुलिस अधिकारी ने भी बीबीसी हिंदी को बताया, करीब एक लाख लोगों के आने की उम्मीद थी लेकिन संख्या दो लाख के आसपास पहुंच गई। स्टेडियम के आसपास भी काफी लोग जमा हो गए थे।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख : पीएमओ ने एक्स पोस्ट में लिखा है, ।बेंगलुरु की दुर्घटना बहुत ही दुखद है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं ये कामना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं, वो जल्द स्वस्थ हो जाए। आरसीबी टीम विशेष विमान से पुराने एचएएल हवाई अड्डे पर पहुंची, यहां उसका स्वागत कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया और उन्हें एक जुलूस के रूप में होटल ले जाया गया। स्वागत समारोह से पहले राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य मंत्रियों ने टीम का अभिनंदन किया। इसके बाद टीम को फिर से जुलूस के रूप में स्टेडियम जाना था। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई और फिर इसी समय भगदड़ भी मच गई। इसके कारण टीम फिर से होटल लौट आई। शहर के अलग अलग हिस्सों से आरसीबी नंबर 18 जर्सी पहने हुए लोग अपने वाहनों पर सवार होकर स्टेडियम की तरफ बढ़ रहे थे। मेट्रो ट्रेनें इतनी भरी थीं कि कई लोग मेट्रो में सवार ही नहीं हो पाए। इस दौरान लोग 'आरसीबी...आरसीबी...' का नारा लगा रहे थे। ऑटोरिक्शा और टैक्सियों ने स्टेडियम के पास जाने से मना कर दिया और जो गए उन्होंने भी यात्रियों से ज्यादा पैसे लेकर यात्रियों को स्टेडियम से तीन किलोमीटर पर पहले ही उतार दिया। भगदड़ में मौत की खबर फैलते ही लोग मेट्रो स्टेशन की ओर भागने लगे। हालात यह हो गए कि मेट्रो अधिकारियों को स्टेडियम के आसपास का स्टेशन बंद करना पड़ा।

क्या बोले मुख्यमंत्री ? : इस हादसे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक्स पर पोस्ट कर संवेदनाएं जाहिर की हैं। सीएम सिद्धारमैया ने लिखा, ।बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी टीम की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में कई लोगों की जान जाने और कई के गंभीर रूप से घायल होने की खबर सुनकर हमें गहरा सदमा लगा है। उन्होंने लिखा, ।इस त्रासदी के दर्द ने जीत की खुशी को भी खत्म कर दिया है। मृतकों की आत्मा को शांति मिले। मैं घायलों और अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। सीएम सिद्धारमैया ने बताया कि ऐसी भगदड़ और भीड़ के बेकाबू होने की आशंका के चलते ही टीम को विक्ट्री परेड में मार्च करने की अनुमति नहीं दी गई थी। उनके मुताबिक स्टेडियम के पास लोगों की भीड़ के कारण मची भगदड़ की वजह से यह दुर्घटना हुई।

सीएम ने लिखा, मैं जनता से अपील करता हूं कि वे समझें कि उनका जीवन अनमोल है और वो अपनी सुरक्षा को पहली प्राथमिकता दें। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक्स पर पोस्ट किया, ।लोग आरसीबी की आईपीएल में जीत के जश्न का गवाह बनने आए थे।

बीजेपी ने राज्य सरकार को ठहराया ज़िम्मेदार

बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना को लेकर बीजेपी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया है। कर्नाटक बीजेपी ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ।7 लोगों की मौत। कांग्रेस सरकार की गैर-ज़िम्मेदारी के कारण मची भगदड़ में कई लोग ज़िंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई उपाय नहीं। कोई बुनियादी व्यवस्था नहीं। सिर्फ अराजकता। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर हमला बोलते हुए कर्नाटक बीजेपी ने लिखा, ।जब निर्दोष लोग मर रहे थे, तब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार क्रिकेटरों के साथ रील शूट करने और लाइमलाइट बटोरने में व्यस्त थे। शर्म आनी चाहिए इस फोटो-ऑप कांग्रेस सरकार पर। यह आपराधिक लापरवाही है। कर्नाटक विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा एमएलसी नारायणस्वामी ने कहा, ।यह त्रासदी सरकार की वजह से हुई। उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि कितने लोग आएंगे, क्या सावधानियां बरतनी होंगी। यह सुरक्षा में चूक है।

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर होगा सियासी घमासान!

21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की तारीखों का एलान हो गया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इसकी जानकारी दी है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि 21 जुलाई से 12 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र आयोजित किया जाएगा।

वहीं विपक्ष की ओर से ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर संसद के विशेष सत्र की लगातार मांग की जा रही है। इस बीच सरकार ने यह एलान किया है। पीटीआई सूत्रों के मुताबिक, संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति की तरफ से राष्ट्रपति को भेजी गई सिफारिशों के अनुसार संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त

तक चलेगा।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर चर्चा

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के महाभियोग मामले के सिलसिले में कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी और डीएमके सहित कई विपक्षी नेताओं से संपर्क किया है।

आवास से बरामद हुई थी नकदी : इस साल मार्च में दिल्ली में न्यायमूर्ति वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना हुई थी, जिसके बाद कथित तौर पर जला हुआ कैश बरामद हुआ। उस समय न्यायमूर्ति वर्मा दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे। इस मामले के बाद उनपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

इससे पहले कब हुआ था आयोजित ? : इससे पहले संसद का बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किया गया था। बता दें कि पहला सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी तक चला था। संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च को शुरू हुआ और आज यानी 4 अप्रैल को समाप्त हुआ है।

जासूसी के आरोप में एक और यूट्यूबर गिरफ्तार

ज्योति मल्होत्रा से भी है जसबीर सिंह का कनेक्शन

चडीगढ़। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत लगातार आतंकी नेटवर्क और उनसे जुड़े सूत्रों पर कड़े एक्शन ले रहा है। पिछले कुछ समय से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले कई भारतीयों को गिरफ्तार किया है। इस कड़ी में पंजाब के मोहाली से एक यूट्यूबर को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जसबीर सिंह नाम का यह शख्स तीन बार पाकिस्तान की यात्रा भी कर चुका है।

पंजाब के रूपनगर में रहने वाले यूट्यूबर जसबीर सिंह को मंगलवार को मोहाली में पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मोहाली के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल ने इस नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। ह्यजान महलह्व नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाला सिंह महलान गांव का निवासी है।

डीजीपी पंजाब पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए एक्स पर लिखा, ह्लखुफिया जानकारी पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ, मोहाली ने रूपनगर के गांव महलान निवासी जसबीर सिंह से जुड़े एक महत्वपूर्ण जासूसी नेटवर्क का पता लगाया है।

जसबीर सिंह, जो ह्लजान महलह्व नाम का एक यूट्यूब चैनल चलाता है, उसे पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ जुड़ा पाया गया है, जो एक आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। उसने हरियाणा स्थित यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा (पहले से जासूसी के लिए गिरफ्तार) और पाकिस्तानी नागरिक और निष्कासित पाक उच्चायोग अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के साथ भी घनिष्ठ संपर्क बनाए रखा।

पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और व्लॉगर्स से मुलाकात की

डीजीपी गौरव यादव ने आगे लिखा, ह्लजांच से पता चला है कि जसबीर दानिश के निमंत्रण पर दिल्ली में पाकिस्तान नेशनल डे कार्यक्रम में शामिल हुआ था, जहां उसने पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और व्लॉगर्स से मुलाकात की थी। वह तीन मौकों (2020, 2021, 2024) पर पाकिस्तान गया था और उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में पाकिस्तान के कई नंबर थे, जिनकी अब विस्तृत फॉरेंसिक जांच की जा रही है।

ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद, जसबीर ने पहचान से बचने के लिए इन पीआईओ के साथ अपने संचार के सभी निशान मिटाने का प्रयास किया। एसएसओसी, मोहाली में एक एफआईआर दर्ज की गई है।

पंजाब पुलिस ने कहा कि व्यापक जासूसी-आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने और सभी सहयोगियों की पहचान करने के लिए जांच चल रही है। पंजाब पुलिस राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने और ऐसे राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा उत्पन्न सभी खतरों को बेअसर करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

कुलपति ने कुलगुरु कहिए जनाब

जेएनयू में 'कुलपति' की जगह 'कुलगुरु' शब्द का होगा प्रयोग

नई दिल्ली: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय यानी जेएनयू के कुलपति को अब कुलगुरु के नाम से जाना जाएगा। जेएनयू ने अपने शैक्षणिक दस्तावेज और औपचारिक पत्राचार में भी कुलपति की जगह कुलगुरु शब्द का उपयगो करने का फैसला किया है। आपको बता दें कि कुलपति को कुलगुरु कहे जाने का प्रस्ताव प्रो। शांतिश्री धूलिपुडी पंडित ने बीते दिनों कार्यकारी परिषद की बैठक में रखा था। उनका मानना है कि कुलगुरु शब्द संस्कृत में अधिक सटीक और अर्थपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि कुलगुरु कहा जाना लिंग-निरपेक्ष है। गुरु एक अकादमिक प्रमुख के लिए सही शब्द है। और यह सभी भारतीय भाषाओं में भी है। जबकि पति शब्द कई चीजों को दशार्ता है। यही कारण है कि मुझे लगा कि कुलगुरु ज्यादा सही शब्द रहेगा।

आपको बता दें कि अभी तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक कुलपति को कुलगुरु कहने की शुरूआत इसी साल यानी 2025 से ही लागू हो सकता है।

इसे डिग्री सर्टिफिकेट और अन्य डॉक्यूमेंट्स में शामिय भी किया जाएगा। यानी आगे वाइसचांसलर अब आगे से जिन भी दस्तावेजों पर साइन करेंगी, उनमें कुलपति की जगह अब कुलगुरु लिखा जाएगा।

स्कूलों में क्लासरूम कंस्ट्रक्शन से जुड़ा मामला

मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को एसीबी का समन

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने 2,000 करोड़ रुपये के क्लॉस रूम निर्माण घोटाले में आप नेताओं और दिल्ली के पूर्व मंत्रियों सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया को क्रमशः 6 और 9 जून को तलब किया है। इस मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के दो महीने से भी कम समय बाद यह कार्रवाई की गई है।

जैन को 6 जून को तलब किया गया है, जबकि सिसोदिया को 9 जून को दिल्ली में ब्यूरो कार्यालय आने को कहा गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने इस मामले में दोनों नेताओं के खिलाफ 30 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दिल्ली में पिछली आप सरकार के दौरान 12,748 कक्षाओं और भवनों का निर्माण अत्यधिक बढ़ी हुई लागत पर किया गया था। सिसोदिया आप सरकार में शिक्षा मंत्री थे, जबकि जैन लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे।

एफआईआर दर्ज करते समय, भ्रष्टाचार निरोधक पैनल ने कहा कि 'काफी विचलन और लागत में वृद्धि' देखी गई, लेकिन 'निर्धारित अवधि के भीतर एक भी काम पूरा नहीं हुआ।' 'कंसल्टेंट और आर्किटेक्ट को उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना नियुक्त किया गया था, और उनके माध्यम से लागत में वृद्धि की गई थी। सक्षम प्राधिकारी से धारा 17-ए पीओसी अधिनियम के तहत अनुमति प्राप्त करने के बाद मामला दर्ज किया गया।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि 12,500 से अधिक कक्षाओं का निर्माण 8,800 रुपये प्रति वर्ग फुट की बढ़ी हुई दर पर किया गया था, जबकि आम तौर पर यह ज्ञात है कि आवासीय फ्लैटों के लिए भी औसत लागत लगभग 1,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी।

दिल्ली वक्फ बोर्ड की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की, शाहदरा में गुरुद्वारे की जमीन पर था दावा

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें दिल्ली के शाहदरा इलाके में स्थित एक गुरुद्वारे की जमीन पर मस्जिद होने का दावा किया गया था। कोर्ट ने साफ कहा कि वहां अब एक संपूर्ण रूप से कार्यरत गुरुद्वारा है, ऐसे में वक्फ बोर्ड को स्वेच्छा से अपना दावा छोड़ देना चाहिए था।

क्या था मामला ? : वक्फ बोर्ड का कहना था कि शाहदरा में जिस संपत्ति पर अब गुरुद्वारा बना है, वहां पहले ।मस्जिद ताकिया बब्बर शाह। नाम की एक पुरानी मस्जिद थी और वह जमीन धार्मिक उद्देश्य के लिए वक्फ की संपत्ति थी। लेकिन इसके खिलाफ मकान मालिक के उत्तराधिकारी ने कोर्ट में दलील दी कि यह वक्फ की संपत्ति नहीं है, बल्कि इसे उनके पूर्वज मोहम्मद अहसान ने 1953 में बेचा था।

पहले ही दिल्ली हाईकोर्ट ने किया था दावा खारिज : साल 2010 में दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए वक्फ बोर्ड का दावा खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि वक्फ बोर्ड को खुद अपने दावे को साबित करना चाहिए, केवल यह कहना कि सामने वाला अपने मालिकाना हक के कागज नहीं दिखा पाया, इससे वक्फ बोर्ड का पक्ष मजबूत नहीं होता।

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक टिप्पणी : जस्टिस संजय करोल और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा ह्न ।जब वहां एक पूरी तरह से सक्रिय गुरुद्वारा है, तो इसे वैसे ही रहने देना चाहिए। वक्फ बोर्ड को स्वयं ही इस पर दावा छोड़ देना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड की अपील खारिज कर दी, जिससे अब यह स्पष्ट हो गया है कि शाहदरा की वह संपत्ति गुरुद्वारे के उपयोग में ही बनी रहेगी और वक्फ बोर्ड का उस पर अब कोई दावा नहीं है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने पॉक्सो मामले के आरोपी को दी अनोखी सजा

'एक महीने एलएनजेपी अस्पताल में करनी होगी मरीजों की सेवा'

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पॉक्सो के एक मामले में आरोपी को अनोखी सजा दी है। अदालत एफआईआर रद्द करने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने एफआईआर रद्द करने का आदेश देते हुए आरोपी को लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल में एक महीने तक सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया है। आरोपी को सेना कल्याण कोष युद्ध हताहत में 50 हजार रुपये जमा करने का निर्देश दिया है।

मामला एक नाबालिग स्कूल छात्रा के यौन उत्पीड़न से संबंधित था, जिसमें आरोपी पर शोषण और धमकी देने का आरोप था। कोर्ट ने शिकायतकर्ता और उसकी मां के साथ विस्तृत बातचीत के बाद पाया कि उन्होंने इस घटना से आगे बढ़ने का सचेत निर्णय लिया है। कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता ने बताया कि वह वर्तमान में विवाह की संभावनाएं तलाश रही है और एक आपराधिक मामले का लंबित रहना उनके भविष्य के अवसरों और व्यक्तिगत संबंधों के लिए गंभीर बाधा बन सकता है। उसकी मां ने कहा कि इस तरह की आपराधिक कार्यवाही परिवार के लिए उपयुक्त रिश्ता तलाशने के प्रयासों को कमजोर कर सकती है।

दोनों पक्षों के बीच एक समझौता पत्र (सेटलमेंट डीड) हुआ, जिसमें शिकायतकर्ता ने स्वेच्छा से विवादों को सुलझाने और एफआईआर रद्द करने की सहमति दी।

यूपी में आज से सिमटेगी बारिश अब गर्मी दिखाएगी अपने तेवर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले कई दिनों से जारी बूंदाबांदी का दौर अब कुछ दिनों के लिए थमने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक बृहस्पतिवार को प्रदेश के तराई हिस्सों में गरज चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना है। इसके बाद शुक्रवार से अगले कुछ दिनों के लिए प्रदेश के दोनों संभागों में मौसम शुष्क रहने वाला है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार से प्रदेश में बूंदाबांदी के मद्धिम होते ही तापमान और गर्मी का बढ़ना शुरू होगा। इसके बाद गर्म और शुष्क पछुआ हवाओं के असर से अगले पांच दिनों में प्रदेश के तापमान में 5 से 6 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी के संकेत हैं। माना जा रहा है कि मानसूनी बारिश से पहले जून की गर्मी अपना तेवर दिखाने वाली है।

उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों तक प्रदेश में तराई समेत कहीं-कहीं बूंदाबांदी जारी रहने के बाद पांच जून से इसमें व्यापक कमी आएगी। इससे प्रदेश का मौसम शुष्क हो जाने से तापमान में बढ़ोत्तरी की संभावना है।

हॉस्टल के बाथरूम में नहा रही नीट की छात्रा का बनाया वीडियो

मैनेजर और कर्मचारी ने किया ये घिनौना कांड

लखनऊ। कानपुर के रावतपुर स्थित हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा का मैनेजर व कर्मचारी ने बाथरूम में नहाते समय वीडियो बना लिया। पहले तो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर हजारों रुपये वसूले। फिर संबंध बनाने का दबाव डाला। धमकी से तंग आकर छात्रा ने मंगलवार को रावतपुर पुलिस से शिकायत की। कानपुर देहात की रहने वाली एक रावतपुर इलाके के एक गर्ल्स हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रही है।

छात्रा का आरोप है कि पांच अप्रैल को बाथरूम में नहाते समय हॉस्टल के मैनेजर महफूज खान व कफिल अंसारी ने उसका वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपियों ने उससे अब तक 60 हजार रुपये वसूल लिए। आरोपियों ने और रुपये की मांग की तो उसने असमर्थता जताई। छात्रा का कहना है कि आरोपियों ने और भी छात्राओं को निशाना बनाया है। आरोपों की जांच की जा रही है। महिला दरोगा के माध्यम से हॉस्टल की अन्य छात्राओं से भी बात की जाएगी।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। गुरुवार 05 जून-2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

23 जिला बदर ढोल बजाकर किए गए कमिश्नरेट से बाहर 6 महीने तक नहीं होनी कमिश्नरेट सीमाओं में एंट्री

टीलामोड़, शालीमार गार्डन, मसूरी, वेव सिटी, नंदग्राम सहित कई थाना पुलिस ने की कार्रवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में बुधवार को अलग-अलग थानाक्षेत्रों के 23 जिला बदर आरोपियों को कमिश्नरेट सिस्टम से विदाई दी गई है। इस दौरान अलग-अलग थानों की लोकल पुलिस द्वारा उनका सामान लेकर यहां से भेजा गया है। इस दौरान कहीं ढोल बजाए गए, तो कहीं बैंड बाजा बजा कर उनको दूसरे जोन की सीमा से बाहर निकल गया है। तो वहीं टीलामोड़ और शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र के बदमाशों को दूसरे जिले के लिए रवाना किया गया है। कहा जा रहा है कि कानून एवं शांति व्यवस्था को स्थापित करने के लिए 23 अलग-अलग आरोपियों पर जिला बदर की कार्रवाई की गई।

अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम-1970 के अंतर्गत की गई, जिसके तहत 23 आरोपियों को गुंडा घोषित कर 6 महीने के लिए कमिश्नरेट गाजियाबाद की सीमाओं से जिला बदर किया गया है।

कहीं गूंजी ढोल की आवाज, तो कहीं बजा बैंड बाजा

करंट क्राइम : गाजियाबाद में 23 जिला बदर पर गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें जिले से बाहर रवाना किया गया है। इस दौरान पुलिस कमिश्नरेट के अलग-अलग थानों के इन आरोपियों को रवाना करने के दौरान कहीं डुगडुगी बजाई गई । तो कहीं बैंड बाजा, तो कहीं ढोल की थाप पर इन्हें उनके घर से निकालकर दूसरे जिले के लिए भेजा गया है। दरअसल पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में पुलिस का स्पष्ट संदेश है या तो अपराध छोड़ो या फिर गाजियाबाद को छोड़ना पड़ेगा। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने कहा है कि यह कानून व्यवस्था की स्थिति और अपराध नियंत्रण को लेकर लिया गया कड़ा फैसला है।

इन बदमाशों को किया गया है जिला बदर

करंट क्राइम : 4 जून को गाजियाबाद पुलिस द्वारा 23 अभियुक्तों को 6 महीने के लिए जिला बदर किया गया है। जिसमें गाजियाबाद पुलिस का अपराधियों को स्पष्ट संदेश है या तो अपराध छोड़े या फिर जिला छोड़ें। इस क्रम में वहीद निवासी मसूरी, विक्रम सिंह निवासी कौशांबी, वाजिद निवासी शालीमार गार्डन, नदीम निवासी वेव सिटी, सौरभ राणा निवासी थाना क्रॉसिंग, अनुज चौधरी क्रॉसिंग, समीर निवासी शालीमार गार्डन, वसीम कबड्डी उर्फ वसीम थाना मोदीनगर, अंकित मावी लोनी, जुबेर लोनी, सोहेब थाना मुरादनगर, प्रिंस यादव क्रॉसिंग रिपब्लिक, अकबर उर्फ गब्बर ट्रोनिका सिटी, जाकिर टीलामोड़, नासिर ट्रोनिका सिटी, फुरकान उर्फ नन्हे शालीमार गार्डन ,लोकेश कसाना टीलामोड़, मोहित कसाना टीलामोड़, विकास उर्फ लल्ला थाना नंदग्राम, साहिल टीलामोड़, चेतन चौधरी मोदीनगर, फैयाज लोनी और प्रिंस गुप्ता निवासी थाना नंदग्राम को 6 महीने के लिए जिला बदर करते हुए डुगडुगी बजा के दूसरे जिले में रवाना किया गया है।

पुलिस कमिश्नरेट में अधिकारियों का फरमान सड़क पर नहीं होनी चाहिए नमाज

मौलवियों को दो शिफ्ट में व्यवस्था करने का निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम : बकरीद का त्यौहार आ रहा है और बकरीद के त्यौहार पर अलग-अलग प्रमुख मस्जिदों और ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग नमाज पढ़ते हैं। ऐसे में कहीं पर नमाज सड़क पर न पढ़ी जाए और रास्ता जाम ना हो। इसको लेकर अधिकारियों ने अलर्ट मोड अपना लिया है। बुधवार को एडिशनल सीपी अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी मुरादनगर और मसूरी थानाक्षेत्र के कई प्रमुख इलाकों में गए। वहां उन्होंने मस्जिद के प्रमुख और ईदगाह प्रमुख से बातचीत की। जिसमें कहा गया है कि चाहे नमाज दो शिफ्ट में करनी पड़े लेकिन सड़क पर कहीं पर भी नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। साथ ही जहां पहले से नमाज पारंपरिक रूप से होती चली आ रही है, वहीं पढ़ा जाएगा। इस दौरान प्रत्येक नमाज स्थल पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। साथ ही संवेदनशील इलाकों पर पुलिस के अधिकारी भी मॉनिटरिंग करेंगे।

मस्जिदों के प्रमुख से हुई बकरीद की व्यवस्थाओं को लेकर मुलाकात

पुलिस का निर्देश युवक ना करें स्टंट

करंट क्राइम : बकरीद को लेकर पुलिस के अधिकारी जहां मौलवियों, मस्जिदों के प्रमुख और ईदगाह कमेटी के लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। तो वही वह अपील कर रहे हैं कि बकरीद के त्यौहार पर युवा यातायात नियमों का पालन करें, वह स्टंटबाजी ना करें। किसी प्रकार से माहौल न खराब हो। साथ ही कोई भी ऐसा काम न होने दिया जाए, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो। साथ ही अधिकारियों ने इस दौरान अपील की है कि शांति, सद्भाव और सम्मान के साथ बकरीद के त्यौहार को मनाया जाए।

दो दिन निकाला जाएगा फ्लैग मार्च

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई है कि बकरीद के त्यौहार को लेकर शुक्रवार से ही पुलिस अलर्ट मोड पर आ जाएगी। साथ ही बकरीद से दो दिन पहले ही फ्लैग मार्च भी निकलने का कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। फ्लैग मार्च में पुलिस के साथ ही पीएसी और रिजर्व फोर्स को भी शामिल किया जाएगा।

गंगा दशहरा को लेकर छोटा हरिद्वार के लिए बनाया सुरक्षा प्लान

एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ने किया गंग नहर और घाटों का निरीक्षण

- एक प्लाटून पीएसी रहेगी तैनात, गोताखोर भी रहेंगे मौजूद
- पीएसी स्टीमर से की जाएगी श्रद्धालुओं की सुरक्षा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गुरुवार को गंगा दशहरा का पर्व है और गंगा दशहरा पर धार्मिक आस्थाओं के चलते हजारों लोग गंगा स्नान करते हैं। तो वहीं मुरादनगर स्थित छोटा हरिद्वार के नाम से प्रसिद्ध गंग नहर घाट पर भी गंगा दशहरे पर बड़ी संख्या में लोग स्नान करने के लिए पहुंचेंगे। इसको देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद अलर्ट मोड पर आ गई है। बुधवार को एडिशनल सीपी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी ने थानाध्यक्ष मुरादनगर शैलेंद्र सिंह तोमर के साथ छोटा हरिद्वार गंग नहर के घाटों का निरीक्षण किया। जहां सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ही सीसीटीवी, पीएसी की तैनाती स्थलों से लेकर गोताखोरों और श्रद्धालुओं को किसी भी आपात स्थिति में बचाने के लिए लगाए जाने वाले स्टीमरों का निरीक्षण किया। साथ ही लोकल पुलिसकर्मियों को भी यहां निगरानी और हालात नियंत्रण में रखने के लिए अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है।

पीएसी के गोताखोर और स्टीमर रहेगा मौजूद

करंट क्राइम : एडिशनल सीपी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद आलोक प्रियदर्शी ने मुरादनगर गंग नहर का निरीक्षण करने के बाद जानकारी दी है की सुरक्षा के लिहाज से यहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही महिला पुलिसकर्मी भी मौजूद रहेंगी ताकि श्रद्धालुओं के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ या अन्य हरकत ना होने पाए। इसके साथ ही गंग नहर में पानी का बहाव होने की वजह से एक प्लाटून पीएसी के जवान अलग-अलग पॉइंट पर लगाए जाएंगे। तो वहीं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए गोताखोरों का एक दल और पीएसी का स्टीमर भी यहां लगाया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति पर लोगों की सुरक्षा की जा सके।

ड्रोन और सीसीटीवी से भी रखी जाएगी गंग नहर पर नजर

करंट क्राइम : गंगा दशहरे पर छोटा हरिद्वार गंगा नहर में बड़ी संख्या में लोग सुबह से लेकर देर शाम तक गंगा स्नान करने आते हैं। गंगा स्नान करने के लिए लोग दिल्ली, हरियाणा और आसपास के जिलों से भी आते हैं। धार्मिक आस्था के साथ ही यहां गर्मी को देखते हुए भी बड़ी संख्या में लोग स्नान करने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में डूब कर किसी की मृत्यु ना हो और कोई हादसा न होने पाए इसके लिए यहां सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से भी गुरुवार को निगरानी रखने का काम किया जाएगा।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर होगी और कड़ी कार्रवाई

एक महीने में अतिक्रमण करने वाले 422 दुकानदारों को जारी किया गया नोटिस

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने बुधवार को पुलिस लाइन में यातायात पुलिस के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें बिना हेलमेट, तीन सवारी, रेड लाइट जंप, नो पार्किंग, ऑटो-ईरिक्शा में क्षमता से अधिक सवारी, बिना सीट बेल्ट, शराब का सेवन, विपरीत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ निरंतर कठोर एवं कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही स्कूली बच्चों की बस, वैन और अन्य वाहनों के समय-समय पर कागज चेक करने और उनकी सुरक्षा जांच करने का भी निर्देश दिया गया है। यातायात पुलिस के साथ ही इस अभियान में संभागीय परिवहन अधिकारियों को साथ लेकर चलने का आदेश दिया गया है।

पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने यातायात पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

अतिक्रमण एवं कब्जा करने पर 422 लोगों को जारी किए गए नोटिस

करंट क्राइम : ट्रैफिक पुलिस शहर की सड़कों पर जाम खत्म करने और अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों को लेकर पहले जागरूकता अभियान चला चुकी है। फिर उनको अब नोटिस देने की भी कार्रवाई शुरू कर दी है। यातायात पुलिस के अपर पुलिस उपयुक्त सच्चिदानंद से मिली जानकारी के अनुसार अतिक्रमण के चलते 422 दुकानदार, खोखा-ठेली वालों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-152 के तहत नोटिस जारी करते हुए एसीपी स्तर के न्यायालय में उनकी उपस्थिति करने का निर्देश दिया गया है।

सड़क हादसों में कमी के लिए कम करने हैं ब्लैक स्पॉट और विभागों से बैठाना है तालमेल

करंट क्राइम : पुलिस लाइन में ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के साथ गोष्ठी के दौरान पुलिस कमिश्नर ने सेफ लाइफ फाउंडेशन द्वारा 2022 से 2025 तक हुई दुर्घटनाओं का एनालिसिस करते हुए ब्लैक स्पॉट में सुधार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से सामान्य बैठाते हुए टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर, रेड लाइट स्टॉप, जेब्रा लाइन, डिवाइडर ग्रिल साइन बोर्ड लगवाने और अधिकारियों से समन्वय बनाने पर भी जोर देने की बात की गई है।

इतनी बात रही काफी कि उसने घर पर जाकर मांग ली माफी

मंगल को मंडल वाले दंगल का हो गया माफी के साथ पटाक्षेप

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मंडल वालों के घमासान का किस्सा इस मंडल से लेकर उस मंडल तक गूंज रहा है। घमासान इस विधानसभा में हुआ है और किस्सा उस विधानसभा तक गूंज रहा है। नदिया के उस पार भी ये चर्चा हो रही है और लाईन के इस पार भी ये किस्सा गूंज रहा है। कहानी में इधर भी फूल वालें हैं और उधर भी फूल वाले हैं। मौहल्ले वाले बता रहे हैं कि मंडल वाली कहानी में सबसे रोचक पहलू ये है कि पिटे मंडल अध्यक्ष हैं और उनकी हिमायत में एक पूर्व मंडल अध्यक्ष पूरी ताकत से जुटे हैं तो इस किस्से को आम बनाने में एक दूसरे पूर्व मंडल अध्यक्ष ने ताकत झोंक रखी है।

मंडल वाला दंगल मंगल को माफीनामे के साथ खत्म हुआ। घमासान की सूत्रधार लेडी चौहान के घर आखिरकार मौजूदा मंडल अध्यक्ष और पूर्व मंडल अध्यक्ष पहुंच गये। इधर वाले अंदर थे तो बाहर दीवारों से कान लगे थे। बताते हैं कि पहले लेडी चौहान को मंडल वालों ने फोन किया और कहा कि हम मिलना चाहते हैं। मगर लेडी चौहान ने खुद को आउट ऑफ स्टेशन बता दिया। इधर किस्सा बाहर आने के बाद अब पूरे मामले को मैनेज करने की कोशिश थी और हर कोई चाहता है कि डैमेज कंट्रोल हो। सूत्र बताते हैं कि मंगल को मंडल वाले डॉयरेक्ट घर पहुंच गये और यहां पर मंडल प्रधान ने लेडी चौहान से विदआउट इफ एंड बट माफी मांग ली। लेडी चौहान ने भी कह दिया कि आप काफी बड़े हो गये हो।

सुना है कि यहां लेडी चौहान का दिल तब पिघला जब हिमायत में गये बागी देवतुल्य ने ये कह दिया कि देखो ये घर का मामला है और दुनिया हंस रही है, मजाक कर रही है। इसलिए अब इस प्रकरण को समाप्त किया जाये। बताते हैं कि फिर पहले माफी हुई फिर चाय कॉफी हुई। लेकिन बात कमरे से बाहर आ गई।

इसके बाद जमाने को भी संदेश दिया गया और सीन में सरदार जी की भी एन्ट्री हुई। वहीं भाजपाईयों का एक दूसरा गुट इस पूरे मामले के पटाक्षेप को सही बता रहा है। उनका कहना है कि बात इतनी बड़ी नहीं थी लेकिन बात को तूल ही फूल वालों ने दिया है। वो इसे घर का मैटर बता रहे हैं और उनका कहना है कि अगर छोटे भाई ने कोई गलती कर भी दी तो बड़ी बहन का इतना हक बनता है। ये घर का मामला है घर में सुलझ गया और हमारा तो ये मानना है कि अब ऐसा होना चाहिए कि किसी को माफी मांगनी ही ना पड़े। राजनीति में थोड़ा बहुत मतभेद चलता रहता है और मतभेद समाप्त हो गया। यही ठीक है।

पार्टी में कुछ लोग हैं, जो मुझे दरकिनार करते हैं: सतीश शर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री सतीश शर्मा का कहना है कि पार्टी में कुछ लोग है जो उन्हें दरकिनार करना चाहते हैं लेकिन वे जबतक जिंदा है, तब तक पार्टी और गांधी परिवार के प्रति समर्पित है।

करंट क्राइम से बातचीत में पूर्व मंत्री ने कहा कि पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है, जिसकी कल्पना तक वे नहीं कर सकते थे। आज जो कुछ भी वे हैं, पार्टी और गांधी परिवार की वजह से। लेकिन वर्तमान में पार्टी में कुछ लोग हैं, जो उन्हें दरकिनार करते हैं। इन लोगों को यह नहीं पता कि सतीश शर्मा मरते दम तक कांग्रेस और गांधी परिवार का वफादार है। कई बार चुनावों में दूसरी पार्टी की ओर से टिकट देने का आफर मिला था लेकिन मैंने स्वीकार नहीं किया।

उन्होंने कहा कि अब उन्हें चुनाव लड़ने की कोई लालसा नहीं है। पार्टी की ओर से लोकसभा चुनाव में टिकट का ऑफर किया गया था लेकिन मैंने मना कर दिया। मेरे मना करने के बाद डॉली शर्मा को टिकट दिया गया। सतीश शर्मा ने कहा कि पार्टी का अनुशासित सिपाही होने के नाते बैठकों एवं कार्यक्रमों में जाता हूं लेकिन अब पहले वाली स्थिति नहीं रह गई है। कुछ लोग हैं जो नहीं चाहते कि सतीश शर्मा बैठकों में आए। उन्हें नहीं पता कि सतीश शर्मा के खून में कांग्रेस और गांधी परिवार की वफादारी है।

सतीश शर्मा ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जी तोड मेहनत कर रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी जमीन हासिल करेगी। सतीश शर्मा ने कहा कि गाजियाबाद में कांग्रेस का संगठन मजबूत है। पदाधिकारियों को सभी कार्यकताओं को लेकर चलना होगा। कांग्रेस के कार्यकर्ता काम करना चाहते हैं, उन्हें अगर नेतृत्व प्रदान किया जाए तो बेहतर नतीजे आ सकते हैं।

फरियादियों को अब धूप में नहीं करना पड़ेगा वेट घंटाघर कोतवाली का वेटिंग रूम हो गया अपग्रेड

पुलिस कमिश्नर ने घंटाघर कोतवाली के वेटिंग रूम का किया उद्घाटन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में नए कमिश्नर के आने के बाद से नई व्यवस्था और नए इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी के तहत बुधवार को घंटाघर कोतवाली में फरियादियों के लिए बनाए गए नवआगंतुक कक्ष का पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने उद्घाटन किया। इस नवआगंतु कक्ष के बनने के बाद अब फरियादियों को धूप में वेट नहीं करना पड़ेगा। साथ ही यहां एयर कंडीशन भी लगाया गया है और फरियादियों को ठंडा पानी व मिठाई भी दी जाएगी।

बुधवार को उद्घाटन अवसर पर पुलिस कमिश्नर के साथ ही एडिशनल सीपी अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी, एडिशनल सीपी कल्पना सक्सैना, डीसीपी सिटी जोन धवल जयसवाल, डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल, डीसीपी ग्रामीण जोन सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसीपी घंटाघर कोतवाली रितेश त्रिपाठी, एसएचओ घंटाघर कोतवाली अनुराग सहित सिविल डिफेंस, डीवीएफ व प्रमुख व्यापारी एवं संभ्रांत लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

एडिशनल सीपी अपराध एवं कानून व्यवस्था, डीसीपी सिटी जोन डीसीपी ग्रामीण व डीसीपी ट्रांस हिंडन रहे मौजूद

लोगों को मिलेगी सहूलियत, नहीं होना पड़ेगा परेशान

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर और अन्य अधिकारियों का कहना है कि नवआगंतु कक्ष का मकसद लोगों को अपनी समस्या बताने आने के दौरान परेशानी ना हो। उनको अब धूप में नहीं रुकना पड़ेगा। साथ ही यहां आने वाले लोगों को एयर कंडीशन की सुविधा मिलेगी। वहीं आगंतुकों को ठंडा पानी और मीठा भी प्रदान किया जाएगा। दरअसल पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड का प्रयास है कि पुलिस द्वारा लोगों को बेहतर सुविधा प्रदान करते हुए पुलिस की छवि को बेस्ट बनाया जाए इसी के साथ इसका शुभारंभ किया गया है।

संपादकीय

पर्यावरण संरक्षण

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाना एक परंपरा बन चुका है, लेकिन क्या यह परंपरा वाकई प्रकृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है? अथवा यह दिन मात्र औपचारिकताओं और भाषणों तक सीमित रह गया है। आज जब हम वायु प्रदूषण, जल संकट, जैव विविधता की हानि और जलवायु परिवर्तन जैसे खतरों का सामना कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि स्थिति सामान्य नहीं है। वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि, असमय बारिश, सूखा, बाढ़ और प्रदूषण के बढ़ते स्तर हमारे भविष्य पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहे हैं। हमारे अस्तित्व और प्रगति का सीधा संबंध पर्यावरण से है। मनुष्य ने अपनी विकास यात्रा में अनेक बदलाव किए हैं, लेकिन इन बदलावों ने प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थितिकी तंत्र पर गहरा प्रभाव डाला है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनस्पतियों की अव्यवस्थित कटाई, जैव विविधता की हानि, और जलवायु असंतुलन जैसे मुद्दे अब केवल पर्यावरणविदों के लिए नहीं, बल्कि समग्र मानवता के लिए चिंता का विषय बन चुके हैं। क्या है पर्यावरण संरक्षण पर्यावरण संरक्षण का अर्थ है, प्राकृतिक संसाधनों का समझदारी से उपयोग करना, प्रदूषण को नियंत्रित करना और पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित बनाए रखना। यह प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण तरीके से जीने का प्रयास है ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी उसी तरह से प्राकृतिक संसाधनों का लाभ उठा सकें, जैसे कि हम उठाते आ रहे हैं। भारत की बात करें तो, कई शहरों की वायु गुणवत्ता चिंताजनक स्तर पर है। यमुना और गंगा जैसी नदियाँ प्रदूषण की मार झेल रही हैं। हाल ही में जारी 'नेशनल क्लाइमेट वल्नरेबिलिटी रिपोर्ट' के अनुसार, भारत के कई राज्य जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। यह केवल आँकड़े नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन की सच्चाई है। सरकार द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान', 'राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण', और 'मिशन लाइफ' जैसे प्रयास प्रशंसनीय हैं, परंतु इनका प्रभाव तभी स्थायी होगा जब नागरिक भी सक्रिय भूमिका निभाएँगे। वृक्षारोपण, प्लास्टिक का सीमित उपयोग, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा का प्रोत्साहन और कचरे का पृथक्करण जैसे छोटे कदम भी बड़ी क्रांति ला सकते हैं। स्थानीय समुदायों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। गाँवों में पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों का पुनर्जीवन, शहरी क्षेत्रों में हरित क्षेत्र (ग्रीन स्पेस) का विस्तार, और स्कूलों में पर्यावरण शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनना समय की मांग है। यह समय है केवल सोचने का नहीं, ठोस कार्यवाही का। पर्यावरण को बचाना अब किसी एक सरकार या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक और सामाजिक दायित्व है।

रोचक तथ्यों का करंट

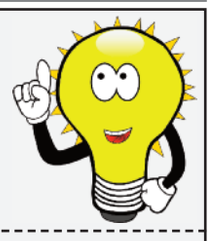

- न्यू जर्सी के सालेम में 28 जून, 1820 को टमाटर को 'परीक्षण पर' रखा गया था। एक न्यायालय के सामने, रॉबर्ट जॉनसन ने यह साबित करने के लिए टमाटर का एक ढेर खाया कि वे जहरीले नहीं थे। देखने वालों की भीड़ उसके मरने के लिए इंतजार कर रही थी। लेकिन वह मारा नहीं।
- टमाटर के बीज होते हैं और वनस्पति पौधे से उगते हैं, इसे फल के रूप में वगीर्कृत किया जाता है, न कि एक सब्जी के रूप में।
- टमाटर मूल रूप से पेरू देश से आए थे।
- साल 2013 में, एक यूके कंपनी ने 'टॉमटाटो' का एक पौधा बनाया जिसके उपरी भाग पर टमाटर उगते हैं और मिटटी के नीचे आलू।
- ठंडी जलवायु वाली जगहों में टमाटर आमतौर पर ग्लासहाउस (ग्रीनहाउस) में उगाए जाते हैं।
- दुनिया भर में टमाटर की लगभग 10,000 किस्में हैं।
- एक जापानी कंपनी ने एक रोबोट का आविष्कार किया जो आपकी पीठ पर बैठता है और आपको दौड़ते समय टमाटर भी खिलाता है।
- चीन टमाटर का सबसे बड़ा उत्पादक है, जो साल 2009 में दुनिया के उत्पादन के एक चौथाई हिस्से के लिए जिम्मेदार है।

शेयर बाजार में निवेशकों का भरोसा लौटा

सेंसेक्स में 260 अंक का उछाल, निफ्टी 24620 पर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में तेजी के बाद बुधवार को भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी तीन दिनों की गिरावट के बाद बुधवार को हरे निशान पर बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसी बड़ी कंपनियों में खरीदारी से भी बाजार को मजबूती मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 260.74 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़कर 80,998.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 349.78 अंक या 0.43 प्रतिशत चढ़कर 81,087.29 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 77.70 अंक या 0.32 प्रतिशत बढ़कर 24,620.20 पर पहुंच गया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार में हल्के सकारात्मक रुझान के साथ सीमित दायरे में कारोबार हुआ, जिसे अमेरिका के मजबूत रोजगार आंकड़ों तथा अमेरिका-चीन व्यापार तनाव कम होने के संकेतों जैसे अनुकूल वैश्विक संकेतों से समर्थन मिला।

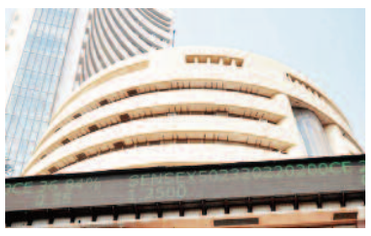

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी तेजी से चढ़ा। जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग भी बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज के वायदों में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अमेरिकी शेयरों में तेजी के रुझान के बाद बुधवार को जर्मनी का ऊअ 0.9 प्रतिशत बढ़कर 24,309.65 पर पहुंच गया। पेरिस का उअउ 40 0.7 प्रतिशत बढ़कर 7,819.43 पर पहुंच गया। ब्रिटेन का ऋछरए 100 0.1 प्रतिशत बढ़कर 8,798.65 पर पहुंचा।

मंगलवार को एफआईआई ने 2,853.83 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,853.83 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.38 प्रतिशत बढ़कर 65.92 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 636.24 अंक या 0.78 प्रतिशत गिरकर 80,737.51 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 174.10 अंक या 0.70 प्रतिशत गिरकर 24,542.50 अंक पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स में शामिल इटर्नल के शेयरों में 3.32 प्रतिशत की तेजी

सेंसेक्स की कंपनियों में इटर्नल में 3.32 प्रतिशत की तेजी आई। भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील और हिंदुस्तान यूनिलीवर अन्य प्रमुख लाभ में रहे। हालांकि, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और लार्सन एंड टूब्रो पिछड़ गए।

मीडियम और स्मॉलकैप शेयरों ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

नायर ने कहा, मीडियम और स्मॉलकैप शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जो अनुमान से बेहतर आय वृद्धि और मूल्यांकन में नरमी के कारण हुआ। निवेशकों का ध्यान अब आज से शुरू हो रही आरबीआई की नीति बैठक पर है, जिसमें ब्याज दरों में कटौती और भविष्य की वृद्धि और मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर स्पष्टता की उम्मीद है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच होगी एफडीसी की बैठक
देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करेंगी वित्त मंत्री

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने वाली हैं। यह समीक्षा 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की बैठक में होगी। सूत्रों के अनुसार यह उच्च स्तरीय पैनल की 29वीं बैठक होगी, जो मुंबई में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा सहित सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामक शामिल होंगे।

6.5 प्रतिशत विकास दर और आरबीआई की लाभांश घोषणा के बाद होगी पहली बैठक

वित्त वर्ष 2025 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत दर्ज होने के बाद यह पहली बैठक होगी। यह दर पिछले चार सालों में सबसे धीमी है। साथ ही, इस बैठक का आयोजन केंद्रीय बैंक की लाभांश भुगतान के बाद किया जा रहा है। पिछले महीने केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2.7 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश की घोषणा की। यह भुगतान वित्त वर्ष 2023-24 के 2.1 लाख करोड़ रुपये के लाभांश से 27.4 प्रतिशत अधिक था।

वित्त वर्ष 25 की अंतिम तिमाही में हुई मजबूत वृद्धि

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025 की अंतिम तिमाही में अपेक्षा से अधिक तेज गति से बढ़ी। इससे 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने में मदद मिली और इसका आकार 3.9 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इसने वित्त वर्ष 2026 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ने की उम्मीद बढ़ी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 25 की अंतिम तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी।

चीन सहित सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं

2020 में जारी निर्देश अब भी हैं लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़ी नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह जानकारी सूत्रों के हवालों से सामने आई है।

प्रेस नोट 3 की नीतियां अब भी लागू

साल 2020 में सरकार ने एफडीआई से संबंधित प्रेस नोट जारी किया था। इसके तहत सीमावर्ती देशों के निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए सरकार से स्वीकृति लेना अनिवार्य है। यह भारत के सभी सीमावर्ती देशों पर समान रूप से लागू है। ये देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान हैं। इन देशों को एफडीआई प्रस्तावों के अनुसार जांच और परीक्षण की समान प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

चीन के लिए एफडीआई प्रस्ताव में कोई बदलाव नहीं

एक सूत्र ने बताया कि प्रेस नोट 3 के जारी होने के बाद से एफडीआई नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि चीन के साथ एफडीआई प्रस्ताव में बदलाव किया गया है। वर्तमान में, प्रेस नोट 3 के तहत आवेदनों पर विचार करने के लिए गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति है।

लगातार 46वें महीने सेवा क्षेत्र में तेजी बरकरार, रोजगार में भी रिकॉर्ड इजाफा, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। भारत के सेवा क्षेत्र में मई में भी मजबूती दिखी। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार लगातार 46वें महीने में सर्विसेज पीएमआई 50 से ऊपर रहा, जो आर्थिक स्थिरता का संकेत है। रिपोर्ट में बताया गया कि सेवा क्षेत्र सूचकांक मई में 58.8 पर पहुंच गया। अप्रैल महीने की तुलना में इसमें 0.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल में पीएमआई 58.7 था। यह सूचकांक सेवा क्षेत्र की 400 कंपनियों में किए गए मासिक सर्वेक्षण पर आधारित है। पीएमआई भी भाषा में 50 से नीचे होना क्षेत्र विशेष में सिकुड़न और 50 से ऊपर होना विस्तार को दर्शाता है।

राशिफल

मेष: पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

वृष: शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन: किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

कर्क: लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है।

सिंह: पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या: आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला: प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक: राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

धनु: व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर: राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

कुंभ: आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मीन: पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

चुटकुले

पत्नी (पति से)- पूरा दिन क्रिकेट, क्रिकेट..!!
मैं घर छोड़ कर जा रही हूं..
पति- (कोमेन्टरी के अंदाज में)
पहली बार कदमों का बेहतरीन इस्तेमाल!!

पत्नी - अगर मेरी शादी किसी राक्षस से हो जाती तो भी इतना दुखी न होती, जितनी तुम्हारे साथ हूं...
पति- पगली! खून के रिश्तों में कहां शादी होती है...?
फिर क्या पतिदेव की हो गई जोरदार कुटाई...

टीचर- मैं तुम्हें भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्य काल का एक उदाहरण देती हूं... दूसरा उदहारण तुम देना...
चिंटू- जी मैडम...
टीचर- मैं सुंदर थी, सुंदर हूं और सुंदर रहूंगी...
चिंटू- मैडम ये आपका वहम था, वहम है और हमेशा रहेगा...
दे थप्पड़.....दे थपड़.....दे थप्पड़

05 06 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

दक्ष राज

शिवानी शर्मा

आरती सूरी

रंजना अग्रवाल

मनीषा खत्री

रामनिवास बंसल
(पार्षद)

अभिषेक शर्मा

नरेंद्र राठी

रोहित पहाडी

आशीष चौधरी

दीपक कुमार

धीरज झा

हितेश चौधरी

ईशान जायसवाल

चंदर रावत

कृपा पर्वत

सतबीर सिंह

सतीश कुमार

प्रदीप राठौड़

संजय यादव

विकास त्यागी

यश चौधरी

साजिद नासिर

कृष्णा शर्मा

त्रिलोक रावत

अमित कुमार

सचिन ठाकुर

मयूर गिरधर

प्रवेश

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

क्रिकेट खिलाड़ियों ने परिवार के साथ मनाया जीत का जश्न

अहमदाबाद । आईपीएल 2025 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया है। फाइनल में उसने पंजाब किंग्स को छह रन से हरा दिया। एक वक्त पसीने से सराबोर विराट कोहली थोड़े अधीर दिखते हैं। आखिर हो भी क्यों नहीं, उनका और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का पहला आईपीएल खिताब बस एक ओवर दूर था। कोहली को जीत की भनक लग चुकी थी और वह मैदान पर ही घुटने के बल बैठकर रोने लगे थे।

जैसे ही जोश हेजलवुड ने 20वें ओवर में आरसीबी की जीत सुनिश्चित की तो कोहली की आंखें भर आई और आंसू कपालों पर आ गिरे। अपना चेहरा उन्होंने हथेली में छिपा लिया। आरसीबी के खिलाड़ी उन्हें घेरकर कूदने लगे। आखिर 18 नंबर की जर्सी का 18 साल का इंतजार खत्म हुआ।

इसके बाद क्या कोहली-अनुष्का, क्या क्रुणाल पांड्या-पंखुड़ी (उनकी पत्नी), क्या दिनेश कार्तिक-दीपिका पल्लीकल और क्या रजत पाटीदार-ऐश्वर्या...सभी ने मैदान पर आकर जश्न मनाया। जितेश की पत्नी श्लाका और मयंक भी पत्नी आशिता भी उनके साथ मैदान में मौजूद रहे।

खिलाड़ियों ने परिवार को मैदान पर बुलाया और मैदान पर ही जश्न मनाया। कोहली तो अनुष्का को गले लगाकर रो पड़े। वहीं, कार्तिक ने पत्नी पल्लिकल को गले लगाया और वह भी भावुक दिखे।

क्रुणाल ने तो स्टेज पर बैठकर पत्नी पंखुड़ी के साथ तस्वीरें खिंचवाई। वहीं, आरसीबी को अपने पहले साल की ही कप्तानी में चैंपियन बनाने वाले रजत पत्नी ऐश्वर्या से मिलकर भावुक हो गए। इसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं।

एक महान खिलाड़ी और उस पर अटूट भरोसा करने वाली एक टीम के लिए यह सबसे भावनात्मक पल था। पिछले 18 साल की नाकामियां और निराशा इस पल में पीछे छूट गई। एकमात्र खिताब जो इस पीढी के महानतम क्रिकेटर की झोली में अभी तक नहीं गिरा था, आखिरकार उसे मिला।

कोहली और आरसीबी का सफर तभी शुरू हुआ जब आईपीएल ने क्रिकेट की दुनिया में पहला कदम रखा था। अठारह साल पहले बेचैन और युवा कोहली पश्चिम दिल्ली का वह गोल मटोल सा लड़का था जो जीत का जुनून लेकर उतरा था। उस समय आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले और जाक कैलिस हुआ करते थे।

आरसीबी ने कोहली पर भरोसा किया और उसके पूर्व मालिक विजय माल्या ने कोहली को अपने अंदाज में खेलने की छूट दी। फिर 2011 में कोहली आरसीबी के कप्तान बने। 22 साल की उम्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी और इतना दबाव से भरा माहौल भी उन्हें विचलित नहीं कर सका।

12 साल और 143 मैचों तक कमान संभालने वाले कोहली डटे रहे। बेंगलुरु के क्रिकेटप्रेमियों से उनका दिल का रिश्ता गहरा होता गया।

यह कोहली का करिश्मा ही था कि बेंगलुरु का हर क्रिकेटप्रेमी आरसीबी का वफादार प्रशंसक बन गया।

महेंद्र सिंह धोनी जब चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान बने तब विश्व कप विजेता भारत के कप्तान बन चुके थे लेकिन कोहली और आरसीबी का रिश्ता धीरे धीरे गहरा होता गया। चेन्नई ने पांच बार आईपीएल जीता और रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस ने भी। सनराइजर्स हैदराबाद और डेक्कन चार्जर्स ने भी खिताब जीते। कोहली ने लेकिन कभी आरसीबी से नाता तोड़ने की नहीं सोची। दर्शकों का प्यार उनकी प्रेरणा रहा और जुनून भी। एक सपना हमेशा उनकी आंखों में पलता रहा, आरसीबी के लिये आईपीएल जीतने का। इस दशक के क्रिकेट के सबसे बड़े ह्यशो मैन को आखिरकार आईपीएल का ताज मिला। क्रिकेट के अनगिनत रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके कोहली के साथ ही दुनिया भर के आरसीबी प्रशंसक इस पल को शायद ही कभी भुला सकेंगे। इस मौके पर आरसीबी के पूर्व खिलाड़ी क्रिस गेल और एबी डिविलियर्स भी मौजूद रहे।

आईपीएल 2025 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया है। 18 सत्र का इंतजार खत्म हो चुका है। आखिरकार विराट कोहली भी चैंपियन बन गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन बनाए थे। जवाब में पंजाब की टीम सात विकेट पर 184 रन ही बना सकी।

कोहली-अवनीत विवाद से लेकर दिग्वेश के नोटबुक सेलिब्रेशन तक, इन 10 बड़ी वजहों से चर्चा में रहा यह सीजन

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आखिरकार आईपीएल का खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में पंजाब को छह रन से हरा दिया। 2022 के बाद इस लीग को एक नया चैंपियन मिल गया है

नई दिल्ली । यह सीजन कई मायनों में दिलचस्प रहा। कुछ बड़े रिकॉर्ड्स बने तो किसी के सेलिब्रेशन ने दर्शकों का ध्यान खींचा। दिग्वेश राठी के नोटबुक सेलिब्रेशन को लेकर काफी विवाद हुआ, वहीं विराट कोहली के अवनीत कौर के फोटो लाइक करने को लेकर भी काफी चर्चा हुई। तिलक वर्मा का रिटायर्ड आउट होने पर भी फैंस भड़क गए।

कोहली का अवनीत कौर की फोटो लाइक करना दो मई को विराट कोहली ने अवनीत की फोटो लाइक कर दी थी। इसके बाद वह ट्रोल हो गए। बाद में विराट ने इंस्टाग्राम स्टोरी में फोटो लाइक करने के पीछे की वजह बताई थी और सफाई पेश की थी। मामला बढ़ता देख कोहली ने स्पष्टीकरण दिया जिससे इसे लेकर किसी तरह की गलतफहमी आगे ना बढ़े। हालांकि, इसने आग में घी डालने का काम किया। कोहली ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि जब मैं अपनी फीड देख रहा था तो शायद गलती से प्रतिक्रिया दी गई। इसके पीछे किसी तरह का कोई इरादा नहीं था। मैं अपील करता हूं किसी तरह की गैर जरूरी कयास नहीं लगा जाएं। आप लोगों का धन्यवाद।' इसके बाद कोहली को जमकर ट्रोल किया गया। कई स्टार्स की प्रतिक्रियाएं आईं। राहुल वैद्य ने इसमें काफी सुर्खियां बटोरीं। राहुल वैद्य और कोहली के बीच विवाद विराट के अवनीत की तस्वीर लाइक करने पर गायक राहुल वैद्य सबसे ज्यादा चर्चा में रहे। राहुल वैद्य का बयान भी सामने आया। राहुल ने इंस्टाग्राम स्टोरी लगाकर कहा कि विराट कोहली के फैंस विराट से भी बड़े जोकर हैं। इसके अलावा उन्होंने विराट के फैंस पर आरोप लगाया कि उन्होंने उनके परिवार को गाली दी है। कोहली ने अवनीत की तस्वीर लाइक करने के अपने स्पष्टीकरण में 'एल्गोरिद्म' और 'इंटरैक्शन' जैसे शब्द का उपयोग किया था। इसके बाद राहुल वैद्य ने लगातार पोस्ट कर विराट पर निशाना साधा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था।

फाइनल में पंजाब किंग्स की हार पर सह-मालकिन प्रीति जिंटा का रिएक्शन

नई दिल्ली । इंतजार तो पंजाब किंग्स की सह-मालकिन प्रीति जिंटा को भी था। उम्मीद थी 18 साल बाद टीम आईपीएल खिताब का सूखा खत्म करेगी। यही इंतजार आरसीबी को था। आईपीएल 2025 का फाइनल जीतता तो कोई एक ही। आरसीबी का इंतजार खत्म हुआ। डिंपल गर्ल प्रीति का इंतजार और बढ़ गया। फाइनल में आरसीबी के हाथ पंजाब किंग्स की हार के बाद उनके चेहरे पर मायूसी साफ झलकी। चुलबुली, नटखट, शरारती, हंसमिजाज, जिंदादिल प्रीति...उनके चेहरे की उदासी और आंखों की नमी ऐसी थी जो करोड़ों फैंस का दिल बैठ जाए।

प्रीति जिंटा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। उनके प्रशंसक कह रहे कि उन्हें डिंपल गर्ल के लिए बुरा लग रहा है। कोई लिख रहा कि हम आपका दर्द समझ सकते हैं तो कोई लिख रहा आपको मुस्कुराते देखना चाहते हैं।

एक यूजर ने एक्स पर प्रीति की भावुक तस्वीर को ब्रोकेन हार्ट इमोजी के साथ पोस्ट करते हुए लिखा- हम आपका दर्द समझ सकते हैं प्रीति जिंटा।

सचिन के धाकड़ क्लब में शामिल हुए सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल चैंपियन बन गई है। आरसीबी ने पंजाब किंग्स को मात देकर पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती। 18वां सीजन समाप्त होने के बाद अलग-अलग अवॉर्ड्स के विजेता की घोषणा हुई। इसी कड़ी में मुंबई इंडियंस (एमआई) के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के हाथ एक बड़ा अवॉर्ड लगा। वह आईपीएल 2025 के मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) बने। 34 वर्षीय सूर्या ने यह अवॉर्ड जीतकर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के धाकड़ क्लब में एंट्री कर ली है। वह आईपीएल में मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार हासिल करने वाले पांचवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

सचिन एमवीपी अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय थे। उन्होंने 2010 में एमआई के लिए 15 मैचों में 618 रन बनाए और ऑरेंज कैप भी हासिल की। आरसीबी का हिस्सा विराट कोहली ने 2016 में मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर के साथ-साथ ऑरेंज कैप अवॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने सीजन में 16 मैचों में 973 रन जुटाए थे। तेज गेंदबाज हर्षल पटेल आईपीएल 2021 में मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर थे। उन्होंने 15 मैचों में 32 विकेट लिए। उन्होंने पर्पल कैप पर भी कब्जा जमाया। हर्षल तब आरसीबी में थे। लिस्ट में चौथा नाम गुजरात टाइटंस (जीटी) के शुभमन गिल का है, जो 2023 में एमवीपी बने। उन्होंने 17 मैचों में 809 रन बनाकर ऑरेंज कैप भी जीती।

सूर्या ने 18वें सीजन में कमाल का प्रदर्शन किया। वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने 16 मैचों में 65.18 की औसत से 717 रन बनाए। उनके बल्ले से पांच अर्धशतकीय पारियां निकलीं। सूर्यकुमार ऑरेंज कैप जीतने से महज 43 रनों से चूक गए। मुंबई इंडियंस का सफर क्वालीफायर-2 में खत्म हो गया था। आईपीएल 2025 में जीटी के ओपनर साई सुदर्शन ने 759 रन जोड़कर ऑरेंज कैप अपने नाम की। उन्होंने 15 मैचों में एक शतक और 6 अर्धशतक लगाए। जीटी को एलिमिनेटर में मुंबई ने हराया था। कोहली तीसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 15 मैचों में 657 रन जुटाए।

3 छक्के, 3 वाइड, 1 विकेट और 23 रन, 17वें ओवर में जैमिसन की ऐसी धुनाई न होती तो नहीं हारती पंजाब

नई दिल्ली । अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2025 के फाइनल में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर पहली बार खिताब पर कब्जा किया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी के दौरान 17वें ओवर में काइली जैमिसन की लाइन-लेंथ बिगाड़कर रख दी। उस ओवर में गेंदबाज ने 3 वाइड गेंदें फेंकी, 3 छक्के खाए। 23 रन दिए और उस ओवर में एक विकेट भी हासिल किया। तब फील्डिंग कर रही पंजाब किंग्स को क्या पता था कि यह ओवर इतना महंगा पड़ेगा कि उससे पहली बार आईपीएल जीतकर इतिहास रचने का मौका छीन लेगा। ध्यान रहे, टीम सिर्फ 6 रन से फाइनल हारी।

18 साल से एक अदद आईपीएल टाइटल की भूखी दो जबरदस्त टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बीच मुकाबला काफी दमदार रहा। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए। उसके बल्लेबाजों ने 17वें ओवर में काइली जैमिसन की खूब धुनाई की। ऐसी धुनाई कि उनकी लाइन-लेंथ बिगड़ गई। 3 वाइड बॉल फेंकी लेकिन आखिरकार उस ओवर में एक विकेट भी हासिल किया।

आरसीबी ने 16 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 145 रन बना लिए थे। जितेश शर्मा 11 रन और लियाम लिविंगस्टोन 19 रन बनाकर खेल रहे थे। अय्यर ने 17वें ओवर के लिए जैमिसन को गेंद थमाई। जितेश शर्मा ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। अगली गेंद वाइड। उसके बाद शर्मा ने फिर एक जोरदार सिक्स जड़ा। तीसरी गेंद पर सिंगल के साथ ही लिविंगस्टोन स्ट्राइक पर आ गए। जितेश शर्मा के बाद अब बारी थी लिविंगस्टोन की। उन्होंने जैमिसन के ओवर की चौथी गेंद को छक्के के लिए उड़ा दिया।

बंगलूरू में नहीं निकलेगी आरसीबी की विजयी परेड

इस कारण लिया गया फैसला खिलाड़ियों का होगा सम्मान

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के प्रशंसक टीम को मिली खिताबी जीत का जश्न मनाने के लिए तैयार हैं, लेकिन अंतिम समय में कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। आरसीबी ने मंगलवार को अहमदाबाद में खेले गए आईपीएल 2025 के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराया था। आरसीबी की टीम अपने पहले खिताब का जश्न मनाने के लिए बंगलूरू रवाना हो गई है

बंगलूरू । अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन बनाए थे। जवाब में पंजाब की टीम सात विकेट पर 184 रन ही बना सकी। आरसीबी आईपीएल चैंपियन बनने वाली आठवीं टीम है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, डेक्कन चार्जर्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम चैंपियन बन चुकी हैं। इसके साथ बी आरसीबी का 18 सत्र का इंतजार खत्म हो चुका है। आखिरकार विराट कोहली भी आईपीएल चैंपियन बन गए हैं।

आरसीबी की जीत के बाद यह तय किया गया था कि बुधवार शाम खुली बस में विजयी परेड निकाली जाएगी, लेकिन अंतिम समय में इस कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रैफिक व्यवस्था को देखते हुए विजयी परेड का कार्यक्रम रद्द करना पड़ा है। आरसीबी की टीम आज कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से भी मुलाकात कर सकती है। बताया जा रहा है कि बंगलूरू पहुंचने के बाद टीम ट्रॉफी के साथ शाम चार बजे के करीब मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सकती है और इसके बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम के लिए रवाना हो सकती है।

आरसीबी की विजयी परेड विधानसौधा से शुरू होकर चिन्नास्वामी स्टेडियम तक होनी थी। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, विजयी परेड रद्द किया गया है, लेकिन टीम का सम्मान समारोह किया जाएगा। यह कार्यक्रम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शाम करीब पांच से छह बजे के बीच होगा।

आईपीएल डेब्यू सीजन में प्रियांश आर्या ने मचाया धमाल

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। प्रियांश आर्या ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 19 गेंद में 24 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत प्रियांश आर्या डेब्यू सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले अनकैप्ड भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने देवदत्त पडिकल का रिकॉर्ड तोड़ा।

इस मैच से पहले आईपीएल के इतिहास में बतौर अनकैप्ड भारतीय बल्लेबाज डेब्यू सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड देवदत्त के नाम था, जिन्होंने आईपीएल 2020 में 473 रन बनाए थे। प्रियांश आर्या ने मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 19 गेंद में 4 चौकों की मदद से 24 रन की पारी खेली। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल 2025 में 17 मैचों में 27.94 के औसत से 475 रन बनाए।

श्रेयस अय्यर ने 2015 में बतौर अनकैप्ड प्लेयर डेब्यू सीजन में 439 रन बनाए थे। तिलक वर्मा ने 2022 में 397 रन, राहुल त्रिपाठी ने 2017 में 391 रन और वेंकटेश अय्यर ने 2021 में 370 रन बनाए थे।

फर्जी हाजिरी के मामले ने पकड़ा तूल कई संगठन होंगे एकजुट

एक दिन का वेतन काटने की हुई कार्रवाई

GHAZIABAD 311

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम के 311 एप पर फर्जी हाजिरी लगाने वाले 250 कर्मचारी पकड़ में आने का मामला धीरे-धीरे तूल पकड़ रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जांच कराई तो एप के सामने वीडियो और वीडियो काल से फर्जी तरीके से हाजिरी लगाने का खुलाया हुआ है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने स्वास्थ्य विभाग को इन कर्मियों का एक दिन का वेतन काटने के लिए कहा है। सफाई कर्मचारी 311 एप के माध्यम से अपनी हाजिरी लगाते हैं। इसमें एप पर उनकी लोकेशन भी सुपरवाइजर और अधिकारियों तक पहुंचती है। करीब पांच हजार सफाई कर्मियों में से 2200 के लगभग हर दिन एप के माध्यम से कर्मचारी हाजिरी लगा रहे थे।

धोखा देकर ऐसे लगा रहे थे फर्जी हाजिरी

करंट क्राइम : 311 एप खोलने के साथ ही चेहरा दिखाकर और तीन बार आंखों को झपकाने से कर्मचारियों की हाजिरी लग जाती थी। 250 कर्मचारियों ने अपने वीडियो साथी कर्मचारियों को भेज रखे थे। एप के सामने कर्मचारियों का वीडियो दिखाकर फर्जी तरीके से हाजिरी लगाई जा रही थी। कुछ सफाई कर्मी वीडियो काल के माध्यम से किसी और के मोबाइल पर खुले एप से अपनी हाजिरी लगा रहे थे।

कर्मचारी संघ ने उठाई हाजिरी बंद की मांग

करंट क्राइम : स्थानीय निकाय कर्मचारी मजदूर संघ उत्तर प्रदेश ने अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार को ज्ञापन देकर 311 एप के माध्यम से हाजिरी बंद कराने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में प्रवीण गहलौत, पिन्के टांक, संजय टांक, राजपाल, मदन समेत अन्य मौजूद रहे। वहीं भाजपा नेता व पूर्व पार्षद प्रदीप चौहान भी महिला सफाई कर्मियों को नियमानुसार हाइवे और प्रमुख मार्गों से हटाने, सफाई कर्मचारी वेलफेयर फंड को शुरू करने, हरनंदी नदी जीटी रोड पर लगी भगवान वाल्मीकि की मूर्ति का सुधार कार्य कराने समेत अन्य मांग की।

डेढ़ माह से मकान पर गिरा है विद्युत पोल, कई बार हुई है शिकायत

गाजियाबाद करंट क्राइम। क्षेत्रांतर्गत एमजी रोड पर एलटी का विद्युत पोल डेढ़ माह पूर्व अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से टूट कर निमार्णाधीन मकान की दीवार पर गिर गया था। विभाग की लापरवाही के चलते इसी पोल से आपूर्ति जारी है। जिसकी वजह से कभी भी कोई दुर्घटना घट सकती है।

मकान मालिक ने विद्युत अधिकारियों तथा कर्मचारियों को इसकी शिकायत कई बार कर दी है। मगर क्षतिग्रस्त पोल को नहीं हटाया गया जबकि इसी टूटे पोल से ही आपूर्ति लगातार जारी है। मकान मालिक सिराजुद्दीन ने बताया कि डेढ़ महीना पहले मकान की छत डालने के लिए सेटरिंग बांधी थी। तभी रात्री के समय अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मारकर पोल तोड़ दिया।

गाजियाबाद के इस इलाके में गरजा जीडीए का बुलडोजर, मिट्टी में दबी अवैध कॉलोनियां; तमाशा देखते रहे लोग

गाजियाबाद करंट क्राइम। जीडीए ने अवैध रूप से विकसित कालोनियों को बुलडोजर से ध्वस्त करने की कार्रवाई की। जोन तीन के प्रवर्तन प्रभारी के नेतृत्व में मधुबन बापूधाम बंबा रोड दुहाई में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। इसी क्रम में गाटा संख्या परवेंद्र सिंह की करीब दो हजार वर्ग मीटर, खसरा संख्या 919 में वरुण त्यागी की करीब 12 हजार व योगेश शर्मा की करीब 20 हजार वर्ग मीटर में अवैध रूप से विकसित की जा रही कालोनी में प्लाटों की बाउंड्रीवाल, आरसीसी रोड, बिजली के पोल व कनेक्शन, पेयजल पाइप लाइन व नाली आदि को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया।

इस दौरान जीडीए टीम का विरोध किया गया, लेकिन पुलिस बल ने निर्माणकताओं व उनके सहयोगियों को मौके से खदेड़ दिया। जीडीए टीम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अवैध रूप से विकसित की जा रही कालोनियों में प्लाटों की खरीद-फरोख्त न करें।

दीवार मत पोतना मेरे भाई, यहां हो जाती है इसी बात पर विदाई

दीवारों से लेखन का ऐसा नाता है कि जिन्होंने दीवारों पोती हैं वो जानते हैं कि इसका क्या नतीजा आता है। गाजियाबाद में दीवार पर लिखना ये मानों की अपनी सियासत की फेयरवेल लिखना है। बसपा के सतपाल चौधरी, रविन्द्र चौधरी ने दीवारें पोतीं और हाथ में आया टिकट कट गया और आज वो कहां हैं, याद करो। बाकी सब को छोड़ो और सेना वाले साहब ने दीवार ही पोती थी और फिर वो हुआ कि विदाई हो गई और अब वो बहुत दूर रहते है। सुना है वन नेशन-वन इलैक्शन वालों ने दीवारें पोतने के लिए कलर उठा लिये हैं। पुराने भाजपाई ने फोन करके नए भाजपाई को समझाया और उन्हें बताया कि केवल इन्हीं नामों पर मत जाना। मेरी बात झूठ लगे तो वीरेश्वर त्यागी से लेकर मयंक गोयल से पूछ आना। उन्होंने दीवारें ही दावेदारी में पोतीं थी और फिर चुनाव कोई और ही लड़ा था। इसलिए ज्यादा इमोशन में मत आना। तू बस वन नेशन-वन इलैक्शन के नारे लगाना।

सरकार किसी की भी रहे लेकिन कार्यकर्ताओं की तकरार रहेगी

पहली बार सरकार आई तो तूफान ही आ गया। लेकिन लहर वालों को इसी शहर में पता चल गया कि सरकारों के बदलने से सरकारी दफ्तरों में सिस्टम नहीं बदलता है। पूरे पांच साल ये देवतुल्य हर आने वाले बड़े नेता के आगे इसी बात को रखते रहे कि हमारी कोई सुन नहीं रहा। सरकार रिपीट हुई लेकिन ना सुनने वाली हीट कम नहीं हुई। सरकार जिनकी है उन्हें एक पटवारी से लेकर दरोगा पर कार्यवाही कराने के लिए पूरे जोर लगाने पड़ते हैं। कहने वाले ने कहा कि हमने माना सरकार ऑफ फूल है लेकिन आप ये भी मानकर चलो कि रूल इज रूल है। एक विधायक को कितने लैटर लिखने पड़े, ये सबने देखा। 40 पार्षद निगम में एक जुट हो रहे हैं और कमाल ये है कि ये सब के सब सरकार के पार्षद हैं। इसलिए सरकार कितनी बार रिपीट हो लेकिन अफसरों की चली है और चलेगी। रही बात तकरार की तो वो रही है और रहेगी।

अब क्या होगी कृपा वाली बरसात, जब निकल गया है आधा कार्यकाल

सरकार रिपीट हुई और देवतुल्यों की हार्टबीट इस बात पर बढ़ गई कि अब सरकारी कृपा का बादल किसके घर पर बरसेगा। मौसम बदल गये लेकिन कुछ भी नहीं बदला। जो पहली सरकार में जीडीए बोर्ड सदस्य थे वो दूसरी सरकार में आधा कार्यकाल बीत जाने के बाद भी बोर्ड मैम्बर हैं। दर्जा प्राप्त वाली कृपा एक्सप्रेस गाजियाबाद में रूकी ही नहीं। जिनके नाम की चर्चा दर्जा प्राप्त वालों में हो रही थी। उन्हें फिर एयरपोर्ट एडवाईजर कमेटी का मैम्बर बनने में कोई हर्जा नहीं लगा। अब फिर से ये चर्चा हो रही है कि फलाने को ये मिलेगा और अलाने को ये मिलेगा। लेकिन कहने वाले ने कहा कि अब मिलने से भी क्या लाभ है। बेकार में अपने नाम का ठप्पा भी लगवा लें और कुछ होना भी नहीं है। उसने कहा कि किस बात की कृपा होगी और किस बात का हम भौकाल बनायेंगे। सबको पता है कि आधा कार्यकाल बीत चुका और आधा भी ऐसे ही बीत जायेगा।

नोएडा पुलिस कमिश्नरेट का बड़ा एक्शन

थाना-24 व चौकी प्रभारी सस्पेंड

मंगलवार को थार से कुचलने का वीडियो हुआ था वायरल

नोएडा करंट क्राइम। नोएडा में युवक के साथ मारपीट और थार से कुचलने के प्रयास में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस कमिश्नर ने घटना को अफसरों से छिपाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना सेक्टर 24 प्रभारी श्याम बाबू शुक्ला व चौकी प्रभारी गिझौड़ जगमोहन सिंह को सस्पेंड कर दिया है। इन दोनों पुलिस कर्मियों पर अपने कर्तव्यों व दायित्वों के प्रति स्वेच्छाचारिता, लापरवाही, अनुशासनहीनता करने का गंभीर आरोप लगा है। थाना सेक्टर 24 पुलिस ने युवक को टक्कर मारने वाली थार गाड़ी को बरामद की है। नोएडा की ट्रैफिक पुलिस ने थार गाड़ी का 68 हजार 500 रुपए का चालान किया है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5 टीमों का गठन किया है। ये टीम नोएडा-एनसीआर में आरोपियों की तलाश कर रही है। दरअसल मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था।

जिसमें सौरभ और सुमित दोनों भाइयों को कई युवक मार रहे थे। किसी तरह सौरभ उन युवकों से बच कर निकला तो आरोपियों ने उसको थार से कुचलने का प्रयास किया। जिसमें वो करीब तीन फीट उछलकर नाली में गिरा। पुलिस इस मामले में आकाश, गौरव, कुणाल, अमन और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए नोएडा -एनसीआर में की छापेमारी कर रही है। वहीं सौरभ का इलाज नोएडा के कैलाश अस्पताल में किया जा रहा है।

11 जून से 27 अगस्त तक चलेगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

नगर आयुक्त ने लिया कैलाश मानसरोवर भवन जाकर व्यवस्थाओं का जायजा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा से पूर्व कैलाश मानसरोवर भवन इंदिरापुरम पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। आसपास के क्षेत्र का भी भ्रमण किया गया। कैलाश मानसरोवर यात्रा 7 जून से प्रारंभ होकर 27 अगस्त तक चलेगी जिसके लिए लगातार पूरे भारतवर्ष से आगंतुक शहर में आएंगे। व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए नगर आयुक्त निगम अधिकारियों सहित निरीक्षण के लिए कैलाश मानसरोवर भवन पहुंचे, बेहतर व्यवस्था बनाने की निर्देश टीम को दिए गए।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने शुरू कराई नालों की मरम्मत तथा सफाई

करंट क्राइम। मानसरोवर यात्रा की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। मौके पर निरीक्षण किया गया। नालों की सफाई तथा नालों की मरम्मत का कार्य मौके पर ही कराया गया अन्य अधिकारियों को भी प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन के आसपास साफ सफाई प्रकाश व्यवस्था पानी की छिड़काव की व्यवस्था सौंदर्यकरण के कार्य गाजियाबाद नगर निगम द्वारा कराई जाएगी जिसकी तैयारी चल रही है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया सभी निर्माण उद्यान स्वास्थ्य के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पूरे भारतवर्ष से आएंगे श्रद्धालु

करंट क्राइम। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि 7 जून से 27 अगस्त तक कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए यात्री पूरे भारतवर्ष से शहर में आएंगे जिसके लिए मानसरोवर भवन इंदिरापुरम के आसपास साफ सफाई की व्यवस्था, प्रकाश की व्यवस्था, धूल मुक्त सड़कों की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को परंपरागत तरीके से निगम बनाए रखेगा।

बिजली जाने पर समाधान के लिए बना कंट्रोल रूम बेअसर, बजती रहती है घंटी और नहीं उठता फोन

साहिबाबाद करंट क्राइम। भीषण गर्मी में फॉल्ट व अन्य तकनीकी कारणों से बिजली कटौती, ट्रिपिंग व लो-वोल्टेज की समस्या पर शिकायत करने के लिए बिजली निगम ने कविनगर में कंट्रोल रूम बनाया है। यहां अप्रैल के मुकाबले बीते एक माह में बिजली को लेकर आने वालीं 30 प्रतिशत शिकायतें बढ़ी हैं, लेकिन यहां शिकायत पंजीकृत तो कर ली जाती है पर समाधान नहीं होता।

बिजली कटौती से परेशान लोग एक्स पर कर रहे शिकायतें

कटौती की समस्या का समाधान न होने से गाजियाबाद के परेशान लोग लगातार विद्युत निगम और इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर शिकायत कर रहे हैं। कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर 9193320115 जारी किया गया है। अधिकारियों का दावा है कि इसके लिए 24 घंटे तीन शिफ्ट में कर्मियों की ड्यूटी भी लगा दी गई है।

अप्रैल तक हेल्पलाइन नंबर पर बिजली कटौती की रोजाना औसतन 150 तक शिकायतें आ रही थीं। कटौती की समस्या बढ़ने के साथ ही इस माह यह आंकड़ा 200 के पार पहुंच गया है।

इंदिरापुरम के नीति खंड-दो के अनुज शर्मा का कहना है कि नंबर पर शिकायतें तो सुनी जा रही हैं, लेकिन समाधान नहीं हो रहा। मंगलवार को बिजली कटने पर कॉल की थी।

शिकायत की तो जल्द आपूर्ति सामान्य होने का आश्वासन दिया। इसके बाद भी तीन घंटे तक आपूर्ति सामान्य नहीं हुई। फिर से कॉल करने पर शिकायत पंजीकृत होने की बात कहकर कॉल काट दी। इसके बाद कॉल रिसीव नहीं की। डीएलएफ के हरीश चौधरी ने बताया कि बुधवार सुबह 10 बजे बिजली कट गई थी। कंट्रोल रूम के नंबर पर काल की तो पंजीकृत करते हुए समाधान कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद आठ-नौ काल कीं, लेकिन रिसीव नहीं हुई।

लोग करते रहते हैं कॉल, कंट्रोल रूम में फोन ही नहीं उठाया जाता

> ट्रिपिंग व लो-वोल्टेज की शिकायत कंट्रोल रूम पर नंबर दर्ज कराई थी। शिकायत तो दर्ज कर ली गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। संबंधित एसडीओ को काल करने पर भी समस्या बनी रही।
> -दिनेश कसाना, उपभोक्ता

> भीषण गर्मी में अंधाधुंध कटौती हो रही है। कंट्रोल रूम के नंबर पर भी समाधान नहीं हो रहा है। बुधवार सुबह सात बजे काल की तो समस्या सुनकर काट ती। इसके बाद रिसीव नहीं की।
> -दीपक सेन, उपभोक्ता

चीफ इंजीनियर का सभी शिकायत एसडीओ को ट्रांसफर करने का दावा

विद्युत निगम जोन-तीन के चीफ इंजीनियर दीपक अग्रवाल का कहना है कि कंट्रोल रूम पर बिजली कटौती, फाल्ट ठीक करने, लो-वोल्टेज, ट्रिपिंग आदि शिकायतें सुनी जाती हैं। इस नंबर पर आने वालीं शिकायतों को दर्ज कर तुरंत संबंधित एसडीओ व एक्सईएन को भेज दी जाती है। जहां तत्काल समाधान किया जाता है। जरूरत पड़ने पर उस क्षेत्र में टीम भी भेजी जाती है।

वार्ड 61 की पार्षद शिल्पा चौधरी ने शुरू करवाया पार्क का सौंदर्यीकरण

साहिबाबाद, करंट क्राइम। वार्ड 61 पार्षद शिल्पा चौधरी के अथक प्रयास से बुधवार को पार्षद कोटे से सेक्टर 2सी के पार्क की नई बाउंड्री वाल, फुटपाथ मरम्मत एवं रंगाई-पुताई के कार्य का पार्षद प्रतिनिधि आशीष चौधरी ने नारियल फोड़ कर उद्घाटन किया। इस मौके पर महेंद्र सिंह, डीएन बिष्ट , एसपी सिंह, सब्दर अली, सुबोध, गुलशन रावल, बीएस गौतम, केपीएस चौहान, बीपी प्याना, अमरेश गौतम, संजय भल्ला, शिव कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

किस जोन में लिस्ट पर चल रहा है मंथन

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कब कौन सा जोन कमाल दिखा दे कहा नहीं जा सकता है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते दिनों तीनों जोन में लंबे समय से तैनात पुलिसकर्मियों के जोन बदले गए थे। इन जोन बदलने के बाद नई तैनाती वाली प्रक्रिया भी शुरु हो गई है। इसके बाद नदिया पार वाले जोन की लिस्ट आ गई लेकिन पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि अभी एक जोन में नई पोस्टिंग मिलने के लिए मंथन चल रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इन दिनों एक कार्यालय के कर्मचारी बेहद एक्टिव मोड में हैं। तो सुनने में आया है कि कई जगह फोन घुमाए जा रहे हैं। तो कई चेहरों को बुलाया भी गया है उनसे बातचीत भी हुई है। वैसे देखना होगा इस लिस्ट के बाद जोन की पुलिसिंग और पॉलिसी में क्या असर देखने को मिलता है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में चर्चा है कि इसी जोन की एक खास चौकी के लिए इन दिनों कई चेहरे अपनी-अपनी ताल ठोंक रहे हैं। बताया जा रहा है कि इसके साथ ही नहर के बराबर वाले एक मुख्य मार्ग की चौकी के लिए भी चर्चा तेज हैं। कुल मिलाकर जिस तरीके से झटपट नदिया पार वाली लिस्ट आई थी, पर इस जोन वाली लिस्ट पर वेट और वाली बात खूब सुनाई दे रही है। इसके साथ ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में सिटी को लेकर भी हलचल बढ़ने की बात सुनाई दे रही है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि बकरीद के बाद पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कई थानाध्यक्ष टू-स्टार पैदल हो सकते हैं। तो कई पुराने थ्री-स्टार दोबारा से हॉट सीट पर नजर आएंगे। वहीं पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इसकी चर्चा भी सुनने में आ रही है कि अभी एसीपी साहब लोगों की एक वैरी शॉर्ट लिस्ट का भी वेट हो रहा है। देखना होगा इसका असर किस जोन के किस सर्किल पर होता है। इसी के साथ पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जो लिस्ट प्रभारियों के स्तर वाली आएगी, उसमें कितने प्रभारी बदले जाते हैं, यह देखना भी दिलचस्प होगा। वैसे पुलिस कमिश्नरेट के सूत्रों का कहना है की लिस्ट ठीक-ठाक बड़ी रहने वाली है। यह पिछली बार की तरीके से दो पर नहीं सिमटेगी। कुल मिलाकर जिस तरीके से एक खास जोन की लिस्ट और नई पोस्टिंग पर मंथन चल रहा है, उसकी चर्चा सभी जोन में है।

टोल प्लाजा पर महिलाकर्मी से अभद्रता का आरोपी अरेस्ट

किसान आंदोलन के समय गर्दन पकड़कर दिया था धक्का

नोएडा करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा में लुहारली टोल प्लाजा पर महिला कर्मचारी से दुर्व्यवहार करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान बुलंदशहर के सिकंदराबाद थाना क्षेत्र के हृदयपुर निवासी अमित मुखिया के रूप में हुई है।

घटना मंगलवार को दादरी थाना क्षेत्र के लुहारली टोल प्लाजा की है। किसानों के धरना प्रदर्शन के दौरान कुछ लोग जबरन गाड़ियों को टोल प्लाजा से निकाल रहे थे। जब महिला टोल कर्मी ने उन्हें रोका तो अमित मुखिया ने उसकी गर्दन पकड़कर धक्का दे दिया। यह पूरी घटना टोल प्लाजा के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और बाद में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार के अनुसार, दादरी पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया। आरोपी के खिलाफ धारा 115(2)/352/351(2)/74 बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने अशांति फैलाने वाले तीन अन्य आरोपियों को भी हिरासत में लिया है। सभी आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और फोटो के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

जे.एम.एस.आई.टी. में शुरू हुए बी.बी.ए., बी.सी.ए. और बी.टेक एडवांस कोर्सेस

छात्रों को मिलेंगे उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण और सुनहरे रोजगार के अवसर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाज़ियाबाद स्थित जे.एम.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (जे.एम.एस.आई.टी.) ने क्रोमा कैंपस के साथ एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक समझौता करते हुए बी.बी.ए. एडवांस, बी.सी.ए. एडवांस और बी.टेक एडवांस जैसे करियर-केंद्रित पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है।

इस एमओयू के माध्यम से संस्थान के विद्यार्थियों को ना केवल परंपरागत शिक्षा बल्कि उद्योग की मांग के अनुसार डिजाइन किए गए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी-आधारित प्रशिक्षण प्राप्त होंगे, जिससे उनके लिए सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। यह पहल आधुनिक युग की सबसे क्रांतिकारी तकनीक – आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और क्लाउड कंप्यूटिंग – को पाठ्यक्रमों में एकीकृत करती है। छात्रों को न केवल इन विषयों में सैद्धांतिक ज्ञान मिलेगा, बल्कि उन्हें उद्योग विशेषज्ञों से लाइव प्रोजेक्ट्स, वर्कशॉप्स, इंटर्नशिप और केस स्टडीज के जरिए व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा। इससे छात्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनेंगे और उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियों के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। महा सचिव डॉ. हिमांशु सिंहल ने कहा, आज के समय में तकनीक अत्यंत तीव्र गति से बदल रही है, और ऐसे में शिक्षण संस्थानों का यह दायित्व बनता है कि वे छात्रों को नवीनतम ज्ञान और कौशल प्रदान करें। संस्थान के प्राचार्य, प्रोफेसर (डॉ.) प्रवीण गुप्ता, संस्थान के डायरेक्टर, प्रोफेसर (डॉ.) अनिरुद्ध विश्वास ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस समझौते के सुचारु क्रियान्वयन में संस्थान की ओर से महा सचिव डॉ. हिमांशु सिंहल, प्राचार्य डॉ. प्रवीण गुप्ता तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की प्रमुख मिस तन्वी गौर ने सक्रिय भूमिका निभाई।

कूटनीति: मिस्र में आतंकवाद से लड़ाई का सामूहिक संकल्प सुप्रिया सुले नीत सर्वदलीय शिष्टमंडल ने रखा भारतीय पक्ष

मिस्र की राजधानी काहिरा में मंगलवार को एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने एक उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद से निपटने के लिए भारत की सैद्धांतिक स्थिति और सामूहिक संकल्प को दोहराया

काहिरा। यह उच्च स्तरीय बातचीत मिस्र के पूर्व विदेश मंत्री नबील फहमी के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस दौरान सुले नीत प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र के प्रमुख बुद्धिजीवियों, मीडिया के लोगों और राय निमार्ताओं के साथ रचनात्मक तरीके से बातचीत की।

प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र के समर्थन की सराहना की भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस संवाद सत्र में प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद से निपटने के लिए भारत की सैद्धांतिक स्थिति और सामूहिक संकल्प को दोहराया और मिस्र के लगातार समर्थन की सराहना की।

प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद से निपटने के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई यह बातचीत भारत के सांसदों के चार देशों की यात्रा का आखिरी हिस्सा थी। मिस्र की इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का वहां के प्रमुख मीडिया संस्थानों द्वारा साक्षात्कार भी लिया गया। दूतावास ने एक अलग पोस्ट में कहा कि साक्षात्कार के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आतंकवाद से निपटने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

प्रतिनिधिमंडल ने हेलियोपोलिस युद्ध स्मारक का भी दौरा किया मिस्र की दो दिवसीय यात्रा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने हेलियोपोलिस युद्ध स्मारक का भी दौरा किया। इस दौरान सदस्यों ने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अनेक भारतीय सैनिकों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत-मिस्र के बीच साझा बलिदान का प्रतीक स्मारक भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह स्मारक भारत और मिस्र के बीच साझा बलिदान और ऐतिहासिक रिश्तों का प्रतीक है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कब्रिस्तान में आगंतुक पुस्तिका पर भी हस्ताक्षर किए, जिसमें हेलियोपोलिस (पोर्ट तौफिक) स्मारक और हेलियोपोलिस (एडेन) स्मारक शामिल हैं। अब्देलती और अबुल घीत से भी मिला प्रतिनिधिमंडल इससे पहले दिन में, प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री बद्र अब्देलती से मुलाकात की, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मिस्र की एकजुटता को दोहराया और दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की बात कही।

शशि थरूर का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा अमेरिका

कांग्रेस सांसद बोले- मैं पूरे तीन दिन के लिए तैयार

वॉशिंगटन। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाला सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका पहुंच गया है। यहां वह अमेरिकी कांग्रेस, प्रशासन समेत तमाम प्रमुख वर्गों से मुलाकात करके आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख के बारे में जानकारी देगा। प्रतिनिधिमंडल के नेता कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका पहुंचने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मैं पूरे तीन दिन के लिए तैयार हूं।

शशि थरूर ने एक्स पर लिखा कि ब्रासीलिया से साओ पाउलो और पनामा होते हुए तीन चरणों की एक रात भर की भयावह यात्रा के बाद आज दोपहर वॉशिंगटन पहुंचा। जिसके दौरान मैं ठीक डेढ़ घंटे सोने में कामयाब रहा। हालांकि, एयरपोर्ट पर दो भारतीय-अमेरिकी पुलिसकर्मियों, अधिकारी हरमनप्रीत सिंह और हुंदल द्वारा स्वागत किए जाने पर प्रसन्न था। सीबीएस न्यूज टीम के साथ साक्षात्कार रिकॉर्ड करने के लिए दूतावास गया। हमारे राजदूत विनय क्वात्रा और उनकी टीम के साथ हमारे प्रतिनिधिमंडल के लिए ब्रीफिंग और चर्चा के लिए होटल गए। मैं आखिरकार अपने कमरे में आ गया हूं और आगे के तीन पूरे दिन के लिए तैयार हूं। अमेरिका में भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा कि अगले दो दिनों में डॉ. शशि थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी कांग्रेस और प्रशासन के सदस्यों, थिंक टैंक, मीडिया और नीति निमार्ताओं से मुलाकात करेगा और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख के बारे में जानकारी देगा।

उत्तर कोरिया के साथ संबंध सुधारना चाहते हैं नए राष्ट्रपति

सियोल। दक्षिण कोरिया में आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्युंग ने जीत दर्ज की है। इसके साथ ही ली जे म्युंग दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति बन गए हैं। खबर लिखे जाने तक दक्षिण कोरिया में 90 प्रतिशत वोटों की गिनती हो गई थी और ली जे म्युंग ने 48 प्रतिशत मत हासिल किए हैं। चुनाव जीत के बाद अपने पहले भाषण में ली जे म्युंग ने कहा कि वे उत्तर कोरिया के साथ संबंधों को सुधारेंगे।

ली जे म्युंग ने कहा कि उनकी सरकार उत्तर कोरिया के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश करेगी ताकि कोरियाई प्रायद्वीप में शांति स्थापित की जा सके, लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि अगर उत्तर कोरिया की तरफ से उकसावे की कार्रवाई जारी रही तो उसके लिए वे अमेरिका के साथ मिलकर उत्तर कोरिया की आक्रामकता का मुंहतोड़ जवाब देंगे। म्युंग ने कहा कि उनकी सरकार जापान और अमेरिका के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण कोरिया का नया राष्ट्रपति चुने जाने के लिए ली जे म्युंग को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'श्रीमान ली जे म्युंग को दक्षिण कोरिया का नया राष्ट्रपति चुने की बधाई। मैं उनके साथ मिलकर काम करने और भारत और दक्षिण कोरिया के संबंधों को रणनीतिक तौर पर मजबूत करने की तरफ देख रहा हूं।

यूएस के प्रस्ताव की ईरान के सर्वोच्च नेता ने की आलोचना

यूरेनियम संवर्धन क्षमता बनाए रखने पर जोर

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बुधवार को परमाणु समझौते पर अमेरिका के प्रस्ताव की आलोचना की और कहा कि यह ईरान के विचार के पूरी तरह से खिलाफ है

तेहरान। खामेनेई ने हालांकि अमेरिका के साथ संभावित परमाणु समझौते की संभावना से इनकार भी नहीं किया। खामेनेई ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान को यूरेनियम संवर्धन की क्षमता बनाए रखने पर फोकस करना चाहिए।

ईरान का फोकस यूरेनियम संवर्धन क्षमता बनाए रखने पर: खामेनेई ने कहा कि 'अगर हमारे पास 100 परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं और हमारे पास संवर्धन की क्षमता नहीं है, तो वे सारे परमाणु ऊर्जा संयंत्र हमारे लिए बेकार हैं। अगर हमारे पास संवर्धन नहीं है, तो हमें अमेरिका के सामने हाथ फैलाना होगा।' गौरतलब है कि कई परमाणु शक्ति संपन्न देश अभी भी बाहरी देशों से संवर्धित यूरेनियम लेते हैं। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु समझौते पर बात हो रही है और अभी तक दोनों देशों के बीच पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। अमेरिका द्वारा ईरान को क्या प्रस्ताव दिया गया है, इसकी जानकारी भी सामने नहीं आई है।

समझौता न होने पर बढ़ सकता है पश्चिम एशिया का तनाव: ईरान के साथ परमाणु समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्राथमिकताओं में से एक है। समझौते के तहत अमेरिका, ईरान को कठोर आर्थिक प्रतिबंधों से राहत दे सकता है, जिसके बदले में ईरान को अपने यूरेनियम संवर्धन को समाप्त करना होगा। हालांकि समझौता न होने और दूसरी तरफ इस्राइल-हमास युद्ध के चलते पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है। वहीं प्रतिबंधों से दबाव में चल रही ईरान की अर्थव्यवस्था में और गिरावट आ सकती है और इसके चलते घरेलू स्तर पर चुनौतियां बढ़ सकती हैं। समझौता न होने की स्थिति में हालात और बिगड़ सकते हैं।

रूस ने यूक्रेन के ड्रोन हमले से बचने की कोशिश की थी लेकिन सफल नहीं हुआ, सैटेलाइट इमेज से खुलासा

मॉस्को। ऑपरेशन स्पाइडर वेब के जरिए यूक्रेन ने रूस के स्वाभिमान पर चोट की है और इसका असर बहुत गहरा हुआ है। अब कई उपग्रह तस्वीरों (सैटेलाइट इमेज) से पता चला है कि रूस ने यूक्रेन के हमले से बचने की खूब कोशिश की थी, लेकिन उसकी एक न चली। यूक्रेन ने रूस की सीमा में कई हजार किलोमीटर भीतर घुसकर हमला किया और रूसी वायुसेना के 40 से ज्यादा आधुनिक विमानों, जिनमें स्ट्रैटेजिक बॉम्बर्स, ट्रांसपोर्ट विमान और एयरबोर्न वार्निंग एयरक्राफ्ट्स शामिल हैं, उन्हें तबाह कर दिया। इस हमले में रूसी सेना को बड़ा नुकसान हुआ है।

रूस ने की थी बचाव की कोशिश

मैक्सर टेक्नोलॉजी ने रूस के इन एयरबेस की यूक्रेन के ड्रोन हमले से पहले और बाद की तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों से पता चला है कि रूस को इन एयरबेस पर यूक्रेन के हमले की आशंका न के बराबर थी क्योंकि यूक्रेन की मिसाइलों की रेंज भी रूस के इनमें से कई एयरबेस तक नहीं थी। हालांकि इसके बावजूद रूस ने बचाव के उपाय किए हुए थे। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि रूस ने कई विमानों को टायरों से ढका हुआ था ताकि उन्हें सैटेलाइट से नहीं देखा जा सके। साथ ही रूसी वायुसेना ने एयरबेस के हैंगर पर जमीन पर विमानों की पेंटिंग बनाई हुई थी ताकि दुश्मन को चकमा दिया जा सके। हालांकि इस सबके बावजूद यूक्रेन का हमला इतना सटीक था।

संजय झा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल भारत लौटा, टीम शशि थरूर पहुंची वाशिंगटन डीसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा, कि जब सभी लोग मिलकर भारत के लिए आवाज उठा रहे हैं, और सभी सांसद एकजुट होकर अपना पक्ष रख रहे हैं

नई दिल्ली। राहुल गांधी को यह समझ लेना चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में राजनीति काम नहीं आएगी।

मिस्र के पूर्व विदेश मंत्री नबील फहमी ने कहा कि मेरे भारत के साथ बहुत पुराने संबंध रहे हैं। लंबे समय तक विदेश सेवा में रहने के कारण और पीढ़ियों से चले आ रहे राजनीतिक संबंधों के कारण। मैंने भारत को अपने क्षेत्र में आर्थिक और राजनीतिक रूप से विकसित होते देखा है और निश्चित रूप से मध्य पूर्व में हमने जो कुछ किया है, उस पर मुझे गर्व है। मैं मिस्र में एक उच्च-स्तरीय बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल को देखकर बहुत खुश था क्योंकि यह भारत की पूरी आवाज को दशार्ता है। मैं स्पष्ट रूप से अपने पक्ष को भी यहां विभिन्न राजनीतिक समर्थन वाले प्रतिनिधिमंडल भेजने के लिए प्रेरित करूंगा ताकि हम भारतीयों से हमारे क्षेत्र में क्या हो रहा है, इसके बारे में बात कर सकें, चाहे वह अरब दुनिया हो या मध्य पूर्व और अफ्रीका, क्योंकि मिस्र की स्थिति अनूठी है।

उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय आधिकारिक संबंधों के अलावा जिसका नेतृत्व स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी कर रहे हैं, उन स्थितियों को ठोस कार्रवाई में बदलना महत्वपूर्ण है। हम वास्तव में संयुक्त राष्ट्र में अग्रणी देशों में से थे जो आतंकवाद को परिभाषित करने और यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे थे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आज संघर्ष विराम प्रस्ताव पर वोटिंग, वीटो कर सकता है अमेरिका

गाजा में युद्ध विराम प्रस्ताव पर बुधवार को मतदान होना है। माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के युद्ध विराम प्रस्ताव पर अमेरिका वीटो लगा सकता है। प्रस्ताव में गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्ध विराम की मांग की गई है

संयुक्त राष्ट्र। परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा बनाए गए प्रस्ताव में दक्षिणी इस्राइल में सात अक्तूबर 2023 को हुए हमले के बाद हमास और अन्य समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की मांग की गई है। इसमें गाजा में मानवीय स्थिति को विनाशकारी बताते हुए मानवीय सहायता के प्रवेश पर सभी प्रतिबंधों को तत्काल, बिना शर्त हटाने पर जोर दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मतदान इस्राइल और अमेरिकी समर्थित फाउंडेशन द्वारा गाजा के इस्राइली सैन्य क्षेत्रों के अंदर सहायता वितरण केंद्रों की स्थापना के बाद हो रही गोलीबारी के बीच होगा। फाउंडेशन का कहना है कि यह प्रणाली हमास को दरकिनार करने के लिए बनाई गई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र ने नई प्रणाली को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया है कि यह गाजा में बढ़ते भूख संकट का समाधान नहीं करती। बल्कि इस्राइल को सहायता को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति देती है। साथ ही तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों का अनुपालन नहीं करती। विभिन्न देशों के कई संयुक्त राष्ट्र राजनयिकों ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिका प्रस्ताव पर वीटो कर देगा। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। अंतरराष्ट्रीय सहायता पर निर्भर हैं गाजा के लोग गाजा के लगभग 20 लाख लोग अंतरराष्ट्रीय सहायता पर निर्भर हैं। यहां इस्राइल ने गाजा की लगभग सभी खाद्य उत्पादन क्षमताओं को नष्ट कर दिया है। इस्राइल ने दो मार्च को गाजा में आपूर्ति पर नाकाबंदी लगा दी थी। हालांकि सहयोगियों के दबाव के बाद पिछले महीने के अंत में सीमित सहायता फिर से आनी शुरू हुई।

संयुक्त राष्ट्र से जो पहुंच रहा, वह काफी कम

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को कहा कि गाजा में जरूरतें बहुत ज्यादा हैं और संयुक्त राष्ट्र से गाजा में जो कुछ पहुंच रहा है वह अभी भी बहुत कम है। उन्होंने कहा कि जब से नाकाबंदी हटाई गई है, तब से इस्राइल से केरेम शालोम क्रॉसिंग के फलस्तीनी हिस्से तक सिर्फ 620 ट्रक सामान ही पहुंच पाया है। सिर्फ 370 ट्रक सामान जरूरतमंद लोगों तक पहुंच पाया है, जिनमें से कुछ को सशस्त्र गिरोहों ने लूट लिया है।

आतंकियों के जनाजे पर आंसू बहा रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवादियों के जनाजे पर आंसू बहा रहा पाकिस्तान अब दक्षिण एशिया से आतंकवाद को खत्म करने के लिए भारत-पाकिस्तान खुफिया सहयोग की दुहाई दे रहा है। अमेरिका दौरे पर गए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) अध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी का कहना है कि अगर दोनों देशों की खुफिया एजेंसियां मिलकर काम करें तो आतंकवाद को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, बिलावल भुट्टो इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। वह भारत के साथ हालिया संघर्ष के बाद समर्थन प्राप्त करने के लिए वैश्विक कूटनीतिक प्रयास के हिस्से के रूप में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील डॉन अखबार ने बुधवार को बताया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिलावल भुट्टो ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि अगर आईएसआई और रॉ इन ताकतों से लड़ने के लिए एक साथ बैठकर काम करने के लिए तैयार हों, तो भारत और पाकिस्तान में आतंकवाद में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। बिलावल ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दक्षिण एशिया में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि हाल ही में हुए संघर्ष विराम के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष का जोखिम कम नहीं हुआ है, बल्कि बढ़ गया है।

बिलावल भुट्टो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हस्तक्षेप और खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व विदेश मंत्री मार्को रुबियो की कोशिशों से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि यह एक स्वागत योग्य है, लेकिन यह सिर्फ पहला कदम है और आगे बातचीत जरूरी है। बातचीत और कूटनीति से निकलेगा शांति का रास्ता बिलावल भुट्टो ने कहा कि शांति का रास्ता सिर्फ बातचीत और कूटनीति से ही निकलेगा। उन्होंने आंतकवाद से निपटने के लिए भारत के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान की इच्छा को दोहराया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से निपटने के लिए पाकिस्तान अब भी भारत के साथ सहयोग करना चाहेगा।

गाजियाबाद में ईद की तैयारियों का नगर आयुक्त ने लिया जायजा

साफ-सफाई के अलावा ईद पर परंपरागत हों इंतजाम : विक्रमादित्य सिंह मलिक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। ईद से पूर्व नगर आयुक्त गाजियाबाद विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा मुस्लिम बहुल्य क्षेत्रों में निरीक्षण किया गया। निर्माण, उद्यान, स्वास्थ्य, जलकल तथा प्रकाश के संबंधित सभी अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर उपस्थित रहे जिनके द्वारा ईद के समय अपनी आवश्यकताओं को भी बताया गया जिसके क्रम में नगर आयुक्त द्वारा समस्त विभाग अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त ने की अपील, खुले में ना फेंकें अपशिष्ट, सफाई का रखें ध्यान

करंट क्राइम। नगर आयुक्त द्वारा सिटी जोन अंतर्गत मुस्लिम बहुल्य क्षेत्र केला भट्ठा इस्लामनगर तथा विजयनगर क्षेत्र में मिजार्पुर का निरीक्षण किया गया। क्षेत्रवासियों को खुले में अपशिष्ट ना फेंकने तथा सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। मस्जिदों तथा ईदगाह के पास पानी के टैंकरों की व्यवस्था, लाइट की व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त द्वारा पीएसी चौक के आसपास निरीक्षण करते हुए नालों की सफाई व्यवस्था को देखा गया। मौके पर सफाई बेहतर मिली। क्षेत्रवासियों द्वारा नाले में जाली लगाने के लिए अपील की गई। तत्काल निर्माण विभाग को निर्देश देते हुए कार्यवाही करने के लिए कहा गया। अपशिष्ट उठाने के लिए 18 गाड़ियां तथा डेढ़ सौ सफाई मित्रों की लगाई गई ड्यूटी।

अपशिष्ट उठाने के लिए18 गाड़ियां तथा डेढ़ सौ सफाई मित्रों की लगाई गई ड्यूटी

करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में केला भट्ठा इस्लामनगर पसोंड, मिजार्पुर, अर्थला व अन्य क्षेत्रों में क्षेत्रीय पार्षद से संपर्क करते हुए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश द्वारा बताया गया 18 गाड़ियां अपशिष्ट उठाने के लिए लगाई गई है जो कि 3 दिन तक कार्य करेंगी गाड़ियां कवर्ड रहेगी। इसी के साथ लगभग डेढ़ सौ सफाई मित्र विशेष रूप से मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में लगाए गए हैं जो कि तीन दिन तक अभियान के रूप में ईद पर्व के दौरान कार्य करेंगे।

बसपा संगठन ने की छह जिलों की समीक्षा, बूथ और सेक्टर कमेटियों के गठन पर हुई चर्चा

गाजियाबाद करंट क्राइम। 2027 विधानसभा चुनाव से पहले बसपा ने बूथ स्तर पर अपने संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। पार्टी का सबसे ज्यादा ध्यान पश्चिम उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने पर है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में ही बसपा को ज्यादा सीटें मिलती रही है लेकिन पिछले दो चुनावों में यहा बसपा का खाता तक नहीं खुल पाया है।

इसी के तहत मेरठ मंडल में आने वाले छह जिलों के पदाधिकारियों की बैठक बुधवार को धौलाना विधानसभा क्षेत्र के नया गांव में आयोजित की गई। गांव चलो अभियान के तहत आयोजित बैठक में पूर्व एमएलसी नौशाद अली ने बूथ और सेक्टर कमेटियों की रिपोर्ट ली।

बैठक में मेरठ मंडल प्रभारी जाफर मलिक, मोहित आनंद, कमल सिंह राज ने सभी छह जिलों- मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, हापुड, बुलंदशहर और गौतम बुद्धनगर के जिलों में बूथ और सेक्टर कमेटियों की समीक्षा की। वहीं, बैठक में आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने बसपा की सदस्यता ली।

बैठक की अध्यक्षता जनपद हापुड़ का जिला अध्यक्ष अमित कुमार कर्दम ने की। पूर्व एमएलसी नौशाद अली ने कहा कि कार्यकर्ताओं को पार्टी अध्यक्ष मायावती को पांचवी बार मुख्यमंत्री बनाने के लिए संकल्प लेना होगा। इसके लिए बूथ और सेक्टर लेवल पर कमेटियों का गठन करना होगा। गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष नरेंद्र मोहित ने कहा कि गाजियाबाद में सभी विधानसभाओं में बूथ और सेक्टर लेवल पर कमेटियां के गठन का काम तेजी से चल रहा है। अगस्त तक सभी कमेटियों का गठन कर लिया जाएगा। 2027 के चुनाव के लिए कार्यकर्ता अभी से तैयार है।

बैठक में मेरठ मंडल प्रभारी मेघानंद जाटव, पूर्व प्रभारी रवि जाटव, गाजियाबाद विधानसभा अध्यक्ष लखमी सिंह, नवीन कुमार मुरादनगर, आलोक भारती मोदीनगर, मुनव्वर चौधरी जिला उपाध्यक्ष, लेखराज बौद्ध जिला महासचिव, आनंद चन्देश, मनीराम विराना, राजकुमार सेन पूर्व मेरठ मंडल प्रभारी,मोहन प्रधान, नीटू चौधरी, केपी सिंह मोदीनगर, हरिदत्त पहलवान, चतरे ओमकार पहलवान समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूत्रों के अनुसार, समीक्षा बैठक में कई जिलों में कमेटियों के गठन का काम काफी सुस्त पाए जाने पर पूर्व एमएलसी और मंडल प्रभारियों ने नाराजगी जाहिर की। बैठक में पूर्व एमएलसी नौशाद अली ने कहा कि बूथ और सेक्टर कमेटियों के गठन में लेटलतीफी हो रही है। इसके लिए जिलों के पदाधिकारी जिम्मेदार है।

पर्यावरण दिवस आज : नगर आयुक्त ने मूक-बधिर बच्चों के साथ की प्लांटेशन की शुरुआत

विक्रमादित्य सिंह मलिक ने दिया 'पेड़ लगाओ, प्लास्टिक हटाओ' का संदेश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस की शुरूआत में ही प्लांटेशन की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। इसी क्रम में इंदिरापुरम अंतर्गत अर्बन फॉरेस्ट में मूक-बधिर बच्चों के साथ मिलकर 1000 पौधे लगाने का अभियान प्रारंभ कराया गया। शहर को पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संदेश दिया। अर्थ एनजीओ की टीम भी मौके पर उपस्थिति रही जिनके द्वारा मियांवकी पद्धति से पौधे लगाये गए। प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, गाजियाबाद नगर निगम के ब्रैंड एंबेसडर रामवीर तंवर भी उपस्थित रहे।

नीम, अर्जुन, पापड़ी, पीपल, बरगद आदि के पौधे लगाए गए

करंट क्राइम। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है जिसके क्रम में 4 जून से ही कार्यवाही गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शुरू कर दी गई है जिसमें नोएडा डीफ समिति के 25 मूक बधिर बच्चों के साथ मिलकर इंदिरापुरम अर्बन फॉरेस्ट में प्लांटेशन किया गया। नीम, अर्जुन, पापड़ी, पीपल, बरगद, पिलखान बकेंद व अन्य फलदार औषधि के पौधे लगाए गए।

स्वच्छ और सुंदर पर्यावरण के लिए हर नागरिक की जरूरी है भागीदारी : नगर आयुक्त

करंट क्राइम। शहरवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए जागरूक किया गया। शहरवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने, पेड़ लगाने तथा पर्यावरण बचाने के लिए नगर आयुक्त द्वारा उपस्थित जनों से अपील की गई। मूक-बधिर बच्चों के साथ संवाद बनाते हुए उत्साह पूर्वक प्लांटेशन किया गया, सभी शहारवासी पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में एकजुट होकर कार्य करें अपील की गई।

स्वच्छ भारत मिशन टीम चलाएगी प्लास्टिक मुक्त अभियान

करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में हर वर्ष जन सहयोग से भव्य प्लांटेशन मानसून के समय किया जाता है। इसी क्रम में डॉक्टर अनुज प्रभारी उद्यान द्वारा बताया गया कि इस बार भी बृहद रूप में 1 जुलाई से प्लांटेशन शुरू होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रत्येक जोन में पार्षदों क्षेत्रीय निवासियों तथा आरडब्ल्यूए पदाधिकारी व सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से प्लांटेशन किया जाएगा। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन टीम द्वारा प्लास्टिक मुक्त अभियान भी चलाया जाएगा। उपस्थित लोगों रामवीर तंवर पॉन्ड मैन द्वारा बताया गया कि अर्बन फॉरेस्ट निगम की भूमि पर स्थित है जिसमें कई हजार पौधे सीएसआर के माध्यम से लगाए जा चुके हैं। मौके पर नगर आयुक्त द्वारा पूर्व में लगाए हुए पौधों को भ्रमण करते हुए देखा गया। साथ ही शहरवासियों को पौधारोपण करने के साथ-साथ उनको अपनाने की भी जिम्मेदारी लेने हेतु अपील की गई।

हाउस टैक्स वृद्धि के विरोध में महानगर उद्योग मंडल ने विधायक संजीव शर्मा को सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आवासीय एवं व्यवसायिक कर टैक्स 3 से 5 गुना तक वृद्धि करते हुए नोटिस दिया जा रहा है। किसी-किसी क्षेत्र में व्यवसायिक कर 10 गुना तक भी बढ़कर दिया गया है। यह गाजियाबाद के नागरिकों के साथ अन्याय है। महानगर उद्योग मंडल ने कहा कि डीएम सर्किल रेट के आधार पर टैक्स नहीं लगाया जाए।

महानगर अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान एवं महामंत्री अशोक चावला ने पत्र के माध्यम से आग्रह किया कि गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारियों को न्याय संगत कार्रवाई के लिए जनहित में आदेशित करने की कृपया करें तथा तब तक पूर्व से लागू संपत्ति करों को ही जारी रखा जाए। उन्होंने आगे कहा कि व्यापक जनहित में इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करने की कृपा करेंगे।

मौके पर उपस्थित रहे लोग : चेयरमैन बृजमोहन सिंगल,अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान, महामंत्री अशोक चावला, कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजदेव त्यागी, उपाध्यक्ष मोनू गोयल, युवा जिला महामंत्री डॉक्टर रघुराज, महामंत्री वसीम अली, संजय नगर व्यापार मंडल के चैयरमेन प्रदीप गर्ग,अध्यक्ष विपिन गोयल, महामंत्री हरीश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजा त्यागी, पूर्व कोषध्यक्ष बबलू सिंह, उपाध्यक्ष एसपी सिंह सिसोदिया, उपाध्यक्ष रितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अवनीश त्यागी, दीपक त्यागी, शास्त्री नगर व्यापार मंडल के चेयरमैन कुंवर पाल, अध्यक्ष सुधीर चौधरी, महामंत्री मोहित कुमार, विजयनगर सेक्टर 9 व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश गुप्ता, उपाध्यक्ष नरेश राजपूत, अध्यक्ष 11,12 प्रताप बिहार शिशुपाल वर्मा,महामंत्री प्रमोद गर्ग, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ नगर व्यापार मंडल हर्ष कुमार, सेक्टर 12 प्रताप विहार व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन शर्मा, उपाध्यक्ष पंकज शर्मा और समस्त व्यापारी गण उपस्थित रहे।

हिन्दू संगठनों ने नगर पालिका पिलखुवा की गौशाला को दी क्लीन चिट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के प्रदेश महामंत्री गौरव राघव, जिलाध्यक्ष पवन तोमर, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गौतम, जिल महामंत्री पंकज गिरी व राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सैना, धौलाना ब्लाक अध्यक्ष देवेन्द्र ने पालिका की गौशाला में नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित कान्हा गौशाला में गौवंशों का हाल जानने के लिए दौरा किया। सभी ने गौ माता की आरती की और अपने हाथों से गौवंशों को चारा खिलाया। संगठन के पदाधिकारियों द्वारा गौवंशों की स्थिति पर संतोष व्यक्त किया और गौ माता की पूजा कर चारा खिलाया। गौवंशों की हालत संतोषजनक है। गौरव राघव ने बताया कि नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित कान्हा गौशाला में अधिकतर दयनीय अवस्था में गौ वंश आता है और उनके संगठन के सूत्रों से पता कर गौशाला में हरे चारे को लेकर जो सोशल मीडिया पर वायरस भ्रांति फैलाई जा रही है वह निराधार है। गौशाला में सभी कुछ सही प्रकार से गौवंशों की सेवा की जा रही है एवं पालिकाध्यक्ष विभू बंसल से इसी प्रकार इनकी देखभाल के लिए वार्ता हुई। गौरव राघव द्वारा गौवंशों की पूजा की गयी व अंकुर गहलौत भी समय-समय पर सेवा कर रहे हैं। इनकी सेवा सराहनीय है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

क्यों कहा कहने वाले ने कि जिस वक्त अध्यक्ष वाले मैटर में शायरी के अंदाज में प्रकट किये थे भाजपा के वरिष्ठ नेता पवन गोयल ने अपने जज्बात? उस वक्त उन्होंने रखी थी एक और भी बात? कहा था मैं अपने दिल के अरमान कर रहा हूं आपसे जारी? मैंने शुरू कर दी है शहर विधानसभा चुनाव से तैयारी? इस बार जरूर पहुंचेगी पार्टी तक मेरी पुकार? क्योंकि उन्होंने मेरी कसम का भी मान नहीं रखा? अब फिर से होगी आर और पार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम थे सांसद अतुल गर्ग के संस्मरण वाले कार्यक्रम में मौजूद? यहां पर कुछ ज्यादा ही ताकत लगा कर प्रवीण भाटी लगा रहे थे अतुल गर्ग की जिंदाबाद के नारे? उनकी जोरदार आवाज ने बाकी सब चेहरे कर दिये थे किनारे? उनकी इस मेहनत को देखकर एक मैम्बर ने प्रकट कर दिये अपने जज्बात? कहा हमारा भाई कुछ ज्यादा ही कान्शियस हो रहा है? अभी तो दो वर्ष दूर है नगर निगम के चुनाव? अभी उसको बचाकर रखनी चाहिए ताकत? ना जाने क्यों इतनी नारेबाजी करके उसने मचाई हुई है आफत?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मेरा था सांसद अतुल गर्ग के सम्मान में आयोजित संस्मरण वाले कार्यक्रम में पूरा ध्यान? मैं देख रहा था इस कार्यक्रम में भगवा योद्धा नजर नहीं आये? ना ही संगठन में आने की इच्छा पालने वाला चेहरा दिखा इस आयोजन में विराजमान? कहने वाले ने कहा गाजियाबाद ही नहीं बाहर के सांसदों की भी थी ये सम्मान की बात? थोड़े बहुत चेहरे अगर दे देते दर्शन? तो क्या बिगड़ जाता साहब? बना ली लाईन पार के भी कुछ ओबीसी चेहरों ने इस आयोजन से दूरी? जो बताते हैं खुद को गर्ग साहब का बहुत ही खास?

क्यों कहा कहने वाले ने कि इस मामले में अच्छा लगा महानगर उपाध्यक्ष रनिता सिंह का किरदार? उन्होंने पूरी शिद्दत से दिये कार्यक्रम में दीदार? करा दिया इस बात का एहसास कि वो राजनीति अपनी ताकत पर करतीं हैं? नहीं है उन पर किसी का दबाव? पद मिले या ना मिले, ये है बाद की बात? संबंधों को निभाना कोई मैडम सिंह से सीखे साहब?

क्यों कहा कहने वाले ने कि एक पार्षद ने जब देखा सांसद अतुल गर्ग के सम्मान में आयोजित मंच? तब यहां के नजारे को देखकर उसने मारा जबरदस्त पंच? कहा मंच और बैकड्राप पर लगे फोटो देखकर हो गया है मुझे इस बात का एहसास? गाजियाबाद की भगवा राजनीति में पूरी तरह हो गया है अब गुटबाजी का आगाज? बैकड्राप पर देने वाले ने दिया था संगठन से लेकर जनप्रतिनिधियों के चेहरे को स्थान? मगर आयोजन में बैकड्राप पर नजर आने वाले चेहरे नहीं हुए विराजमान? कहने वाले ने कहा देने वाले दे सकते थे मौके पर आकर सम्मान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि कार्यक्रम में भगवा योद्धा और उनकी टीम तो आ जाती साहब? मगर आप भी तो देखो ऐसा क्यों हुआ जनाब? दिलाने वाले ने दिलाई याद? व्हाट्सऐप ग्रुप पर लिखी गई भगवा पहलवान की लाईन? कहा वो खुलकर मोर्चा ले रहे हैं? क्या इस सबके बावजूद भी था भगवा योद्धा का आना फाईन? कहने वाले ने कहा इसलिए कार्यक्रम में नहीं दिखाई दी कई चेहरों की शाईन?

क्यों कहा कहने वाले ने कि चलो छोड़ों इन बातों को कौन प्रोग्राम में आया और कौन रहा आयोजन से बाहर? मगर ये भी सच है कि एक सफल कार्यक्रम आयोजित कराकर भगवा पहलवान ने फिर पेश कर दिया अपना मजबूत वाला किरदार? कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने करा दिया इस बात का एहसास? कि भले ही वो साईड लाईन चल रहे हों? मगर आज भी मजबूत टीम खड़ी है उनके साथ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि सांसद अतुल गर्ग हर बारीकि का रखते हैं ध्यान? वो देखते हैं कौन मंच पर आगे तो कौन है पीछे विराजमान? सुना है पिलखुवा के चेयरमैन विभु बंसल कार्यक्रम में अच्छी खासी भीड़ लेकर गये थे अपने साथ? इस बात का शायद मिस्टर गर्ग को भी था एहसास? पीछे की पंक्ति में बैठे विभु बंसल को उन्होंने दिलाया मंच की प्रथम पंक्ति में स्थान? अतुल गर्ग रखते हैं हकीकत में हर चेहरे की पहचान? बंसल जी को भाव देने के पीछे दिखा हमें भविष्य का कोई प्लान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम कार्यक्रम में पूरी शिद्दत से थे मौजूद? हम सोच रहे थे कुछ भी हो चाबी खोने वाले त्यागी जी का दिखाई देगा यहां पर वजूद? मगर नहीं हुए हमको उनके कार्यक्रम में दीदार? हम सुन रहे थे कोई यहां पर उनकी चर्चा कर रहा था बेशुमार? कह रहा था कि आखिर संगठन में वो कितनी बार खेलना चाहते हैं पारी? कुछ जरूरी होती है जीवन में यारी?

क्यों कहा कहने वाले ने कि संस्मरण वाले कार्यक्रम में हमें हो गया भगवा मीडिया वाले चौधरी साहब के भी लगाव का एहसास? पता चला गया उनका कहां है झुकाव? हमने देखा इधर कार्यक्रम खत्म हुआ, उधर चौधरी साहब ने विज्ञप्ति कर दी जारी? कहने वाले ने कहा चौधरी साहब भी मैडम सिंह की तरह कर रहे थे अपने भाव जारी?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता अनुज मित्तल ने बाबा केदारनाथ धाम पर पहुंच कर पूजा अर्चना की। अनुज मित्तल ने दर्शन के इस पल को अपना सौभाग्य बताया। उन्होंने कहा कि यह पल उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पलों में से एक है। अनुज मित्तल ने भक्ति श्रद्धा और आस्था की इस पोस्ट को फेसबुक पर साझा किया। अनुज मित्तल की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।